

तापमान



अधिकतम 23.5 डिग्री
न्यूनतम 4.9 डिग्री

जीटी रोड मूवि हरिभूमि

रोहतक, रविवार, 28 दिसंबर 2025

12 एसआईआर पर हल्ला मचा रहे विपक्षी शाह का माषण सुनें



12 साहिबजादों की शहादत को छात्रों ने किया जमन



SURAJ
EDUCATION

SURAJ

GROUP OF SCHOOLS



announces

Sunday
25
Jan. 2026

ADMISSION CUM SCHOLARSHIP TEST

FOR CLASSES -
1st to 12th

All Campuses
at 11:00 am

OUR DOCTORS

 AIIMS Bilaspur NEHA Mrs. KRIPA & Mr. AMARJEET	 AIIMS Gorakhpur GAURAV Mrs. PRIYANKA & Mr. VISHNU	 AIIMS Vijaypur, Jammu MAYANK Mrs. PAVITA DEVI & Mr. DEV PRAKASH	 AIIMS Guwahati DEEPANSHU Mrs. PINKY DEVI & Mr. NAVEEN
 AKANSHA PRIYANSHU Mrs. KUSUMLATA & Mr. JAI BHAGWAN	 PRIYANSHU Mrs. SANTOSH DEVI & Mr. DHIRU YADAV	 KHUSHI Mrs. POONAM DEVI & Mr. KULDEEP	 RUCHI Mrs. ANITA & Mr. PARVEEN
 DEEPIKA ANAND Mrs. SAVITA & Mr. VIKAS	 MEHA Mrs. SUNITA & Mr. AJAY	 NIKHIL Mrs. SANJAY DEVI & Mr. RAKESH	 MANISH K SAINI Mrs. HORILAL SAINI
 RUBAAB KHAN Mrs. ANNUJ & Mr. MUSAQIB	 RIDHI GARG Mrs. ANNUJ & Mr. AJAY KUMAR GARG	 PRINCE Mrs. ANSHU SHARMA & Mr. YASHIK SHARMA	 SAMEHA YADAV Mrs. PAWAN KUMARI & Mr. MUKESH KUMAR
 ADNAN Mrs. KHURISDAN & Mr. MOHD IQBAL	 Esic Medical College PGIMSR, Bengaluru	 Shaheed Hasan Khan Mewati Govt. Medical College Mewat	

OUR IITIANS

 IIT BANGALURU MANVIK K GUPTA Mrs. RATNA GUPTA & Mr. MANOJ K GUPTA	 IIT GUWAHATI ADITI YADAV Mrs. SUNITA KUMARI & Mr. KOMAL KUMAR	 IIT DHANBAD HIMANSHI Mrs. BIMLA DEVI & Mr. PAWAN	 IIT MANDI PUSHPRAJ Mrs. PUSHPA YADAV & Mr. RAJKARAN	 IIT PATNA KARISHMA Mrs. SANJAY DEVI & Mr. PAWAN DAHIYA	 IIT ROPAD ADITYA KUMAR Mrs. SUNITA DEVI & Mr. JAIPAL SINGH	 IIT MANDI KALPANA Mrs. SONU & Mr. OMPRAKASH	 NIT ROURKELA IRFAN Mrs. SUSHIL & Mr. SHABIR MOHAMMAD	 IIT INDORE ATUL Mrs. SUNITA & Mr. RAJKARAN PRAPAT	 IIT ROORKEE TEJAL Mrs. SHARDA & Mr. VIJAY CHAND BANSARA
 IIT BHU AYUSHI TIWARI Mrs. SUDHA TIWARI & Mr. VINOD TIWARI	 IIT ROORKEE TANUJ PAL Mrs. BEENA DEVI & Mr. SHIV DUTTA PAL	 IIT SONIPAT PIYUSH KUMAR Mrs. ASHA DEVI & Mr. MUKESH K MEENA	 IIT DHANBAD HIMANSHI Mrs. KAVITA & Mr. JAI SINGH	 IIT GUWAHATI AYUSH Mrs. MUKESH & Mr. RAVINDER	 DTU DELHI UNIVERSITY NIKHIL SHARMA Mrs. PINKI DEVI & Mr. AJAY SHARMA	 NIT KURUKSHETRA NISHITHA Mrs. NAMITA & Mr. PARVEEN KUMAR	 NSUT DELHI LUCKY SINGH YADAV Mrs. BIRMATI YADAV & Mr. GAJENDER S YADAV	 NIT KURUKSHETRA SHIVA Mrs. SUMAN & Mr. INDERPAL	 DTU DELHI UNIVERSITY AVIRAL Mrs. SHEEL KUMARI & Mr. AJAY KUMAR SINGH

सूरज के नवचयनित सीए

CA Final Examination

 C.A. PRATIBHA Mrs. MINAXI & Mr. SUNIL KUMAR	 C.A. TWINKLE SHARMA Mrs. BABITA BHARDWAJ & Mr. SHIVSHANKAR BHARDWAJ	 C.A. TWINKLE Mrs. MEENA SAINI & Mr. SUBHASH CHANDER	 C.A. MUKUL JAIN Mrs. PRACHI JAIN & Mr. MANOJ JAIN	 C.A. POOJA AGARWAL Mrs. SUMAN DEVI & Mr. MANOJ AGARWAL	 C.A. MUSKAN CHHAPOLIYA Mrs. SANJU CHHAPOLIYA & Mr. VIJAY CHHAPOLIYA
---	---	---	---	--	---

C.A. INTERMEDIATE Qualifiers

 GUNGUN Mrs. JYOTI DEVI & Mr. MOHAN LAL	 MONIKA Mrs. SUSHAMA & Mr. ASHOK KUMAR	 ANIKET SHARMA Mrs. BABITA DEVI & Mr. BANWIDAS	 ASHISH AGARWAL Mrs. NAMITA DEVI & Mr. MARESH AGARWAL
--	---	---	--

CSEET

 BHARTI Mrs. ASHA & Mr. ROHTASH	 ANSHIKA GUPTA Mrs. HEENA GUPTA & Mr. SHIV BABU GUPTA	 SALONI YADAV Mrs. PURPILA DEVI & Mr. RAMSARAJ YADAV
--	--	---

C.A. FOUNDATION

 YOGESH ROHILLA Mrs. REHA & Mr. RAJESH KUMAR	 SHUBHAM SHARMA Mrs. RITU SHARMA & Mr. LAXMANSHI SHARMA	 SAKSHI Mrs. SEENA DEVI & Mr. DEEVENDR	 RASHI GARG Mrs. SANGEETA GUPTA & Mr. RAJESH GUPTA	 HARSH KUMAR Mrs. SAVITA KUMARI & Mr. ISHWAR YADAV	 RITIKA Mrs. POONAM & Mr. RAJENDER SINGH
---	--	---	---	---	---

SURAJ SCHOOL CAMPUSES

SURAJ SCHOOL GURUGRAM SPR ROAD, SECTOR 75, GURUGRAM Tel: 8222999003, 8222999004	SURAJ SCHOOL MAHENDERGARH BUCHOLI ROAD, MAHENDERGARH Tel: 9992715599, 9992716699	SURAJ SCHOOL REWARI DELHI ROAD, REWARI Tel: 9992111451, 9992555815	SURAJ SCHOOL KOSLI GUDIYANI ROAD, KOSLI Tel: 9050735235, 9053539083	SURAJ SCHOOL BAWAL SECTOR-2, NEAR NH-8, BAWAL Tel: 8222999801, 9416184252	SURAJ SCHOOL BHIWADI ALWAR ROAD, BHIWADI Tel: 7230999911, 8222999802	SURAJ SCHOOL PATAUDI GURUGRAM ROAD, PATAUDI Tel: 8814008822, 8607335533
--	---	---	--	--	---	--

 HIMANSHI Mrs. POONAM & Mr. RAJ SINGH	 SIDHANTH Mrs. SANGEETA & Mr. HARINDER YADAV	 TANU Mrs. SARITA YADAV & Mr. DHARMENDER	 ASHU SHARMA Mrs. RENU & Mr. JASHWANT KUMAR	 ANJALI Mrs. SEEMA BALA & Mr. DINESH KUMAR	 PRIYA Mrs. REKHA & Mr. SATISH KUMAR	 YOGESH Mrs. SAVITA KUMARI & Mr. RAJESH KUMAR	 KHUSHI Mrs. POONAM & Mr. RAJENDER SINGH	 AMISHA Mrs. SONIA RANI & Mr. SURENDER SINGH
--	---	---	--	---	---	--	---	---

SURAJ SCHOOL GURUGRAM SECTOR-56, GURUGRAM Tel: 8745912222, 8745913333	SURAJ SCHOOL NARNAUL 2 ND MILE STONE, NARNAUL Tel: 9053539071, 9053539072	SURAJ SCHOOL REWARI SECTOR-19, REWARI Tel: 9992668855, 9992668877	SURAJ SCHOOL DHARUHERA SECTOR 24 - DHARUHERA Tel: 9992111455, 9992111566	SURAJ SCHOOL MANESAR SECTOR-1 - MANESAR Tel: 9992555966, 9992555967	SURAJ SCHOOL GURUGRAM SECTOR-52, GURUGRAM Tel: 9992555961, 9992555962
--	---	--	---	--	--

Top RANKERS...

CLAT EXAM 2025

 06 DIVYA KHANNA Mrs. Sharada Devi & Mr. Mukesh Kumar	 14 JHANVI Mrs. Shikha Mittal & Mr. Sohan Lal	 15 ASHNA Mrs. Santosh Devi & Mr. Anil Kumar	 29 USHA Mrs. Rajkumari & Mr. Anup Singh
 124 TANISHA Mrs. Babil & Mr. Vijay Kumar	 217 KHUSHI Mrs. Anita & Mr. Surender	 251 DRISHTI Mrs. Ritu & Mr. Vinay Kumar	 263 DEEPANSHI Mrs. Yogita & Mr. Mukesh Kumar

NDA

Written Examination

 PRINCE KUMAR Mrs. ANITA DEVI & Mr. ANIL KUMAR	 NISHANT Mrs. ANUJA & Mr. JOGINDER SINGH	 NIKHIL Mrs. REKHA & Mr. RAJ SINGH	 HARSH YADAV Mrs. SAROJ BALA & Mr. DINESH KUMAR
---	---	---	--

Qualifiers

 TARUN Mrs. PUSHPA & Mr. RAKESH	 AVIRAL Mrs. SHEEL KUMARI & Mr. AJAY KUMAR	 HARSH KUMAR Mrs. POONAM KUMARI & Mr. DEEPAK	 SOHAM KUCHMAL Mrs. PAYAL RANI & Mr. SURYAKANT	 PANKAJ YADAV Mrs. RAJ BALA & Mr. INDERJEET
--	---	---	---	--

CBSE RESULT Class - 12th

Above 95% 26	Above 85% 270	Above 75% 662
------------------------	-------------------------	-------------------------

SUPERB SELECTIONS 2025

300+ NEET (UG)	280+ JEE MAINS	65+ IIT-JEE ADVANCED	90+ NDA WRITTEN	55 CA FOUNDATION & INTERMEDIATE
--------------------------	--------------------------	--------------------------------	---------------------------	---

Providing Special facility for best preparation of
JEE / NEET / NDA / CA-CPT / CLAT
A.C. HOSTEL facility for boys & girls separately
at **MAHENDERGARH CAMPUS**

प्रकाशमय कल के लिए

खबर संक्षेप

सुनसान घर बना चौरों का निशाना
करनाल। धार्मिक यात्रा पर गया परिवार पीछे से बड़ी चोरी का शिकार हो गया। निसिंग की दर्शन कॉलोनी में चोर एक बंद मकान का ताला तोड़कर गहने, नकदी और विदेशी मुद्रा ले गए। निसिंग थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। दर्शन कॉलोनी निवासी जसबीर कौर ने पुलिस को बताया कि 25 दिसंबर की रात करीब दो बजे उनका पूरा परिवार फतेहगढ़ साहिब गया हुआ था। 26 दिसंबर की सुबह करीब 11 बजे पड़ोसी का फोन आया कि घर का दरवाजा टूटा हुआ है।

बिना सत्यापन के कपड़ा मार्केट निवासी बृज लाल के नाम जारी कर दिया प्रॉपर्टी टैक्स नोटिस

हरिभूमि न्यूज करनाल
नगर निगम करनाल की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करते हुए एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जिसमें प्रॉपर्टी किसी अन्य व्यक्ति को बताई जा रही है, जबकि उसका भारी-भरकम प्रॉपर्टी टैक्स नोटिस किसी और नागरिक के नाम जारी कर दिया गया।
इस प्रशासनिक चूक के कारण एक आम नागरिक को मानसिक, सामाजिक और आर्थिक रूप से भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है।



सीएम विडो और नगर निगम में शिकायतों के बावजूद राहत नहीं, रिपोर्ट सुधारने में विफल रहा निगम

नगर निगम करनाल की बड़ी लापरवाही, गलत व्यक्ति को भेज दिया 35 लाख का प्रॉपर्टी टैक्स

पीड़ित बृज लाल ने बताया आपबीती
कपड़ा मार्केट, बस स्टैंड के समीप निवासी बृज लाल को नगर निगम करनाल द्वारा संपत्ति पहचान संख्या IE46CUD8 के अंतर्गत व्यावसायिक प्रॉपर्टी बताते हुए 35 लाख 61 हजार 317 रुपये 96 पैसे का प्रॉपर्टी टैक्स बकाया दर्शते हुए नोटिस जारी किया गया। नोटिस में यह भी स्पष्ट किया गया कि यदि निर्धारित समय सीमा में राशि जमा नहीं कराई गई तो संबंधित संपत्ति की कुर्कौ और नीलामी कार्रवाई की जा सकती है। पीड़ित बृज लाल का कहना है कि जिस संपत्ति पर यह टैक्स लगाया गया है, वह न तो उनके नाम दर्ज है और न ही वे उसके वास्तविक स्वामी या कब्जाधारी हैं। उनके अनुसार नगर निगम के रिकॉर्ड में गंभीर त्रुटि है, इसके बावजूद बिना किसी नोटे के जांच और बिना दस्तावेजों का सत्यापन किए सीधे उनके नाम लाखों रुपये का टैक्स नोटिस जारी कर दिया गया। बृज लाल ने बताया कि इस गलत टैक्स निर्धारण के खिलाफ उन्होंने नगर निगम कार्यालय में लिखित आपत्ति दर्ज कराई, सभी उपलब्ध दस्तावेज भी प्रस्तुत किए, लेकिन इसके बावजूद निगम की ओर से न तो रिपोर्ट में कोई सुधार किया गया और न ही नोटिस पर कोई रोक लगाई गई। उन्होंने मुख्यमंत्री विडो पर भी शिकायत दर्ज कराई, लेकिन वहां से भी अब तक कोई ठोस कार्रवाई या राहत नहीं मिल पाई।

शिकायतों और आपत्तियों को नजरअंदाज किया
सबसे वित्तजनक बात यह है कि शिकायतों और आपत्तियों को नजरअंदाज करते हुए नगर निगम की ओर से अंतिम नोटिस जारी कर दिया गया, जिसमें कठोर कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। पीड़ित का आरोप है कि निगम की इस लापरवाही के कारण उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा को ठेस पहुंच रही है और वे लगातार मानसिक तनाव में जीवन यापन करने को मजबूर हैं। बृज लाल ने मांग की है कि संबंधित प्रॉपर्टी के वास्तविक स्वामि को निष्पक्ष जांच कर गलत टैक्स निर्धारण को तुरंत रद्द किया जाए, रिकॉर्ड को दुरुस्त किया जाए और इस गंभीर चूक के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। यह पूरा मामला नगर निगम करनाल में प्रॉपर्टी टैक्स निर्धारण, रिकॉर्ड संधारण और जनशिकायत निस्कारण पणाली की वास्तविक स्थिति को उजागर करता है। बिना सत्यापन और बिना आपत्तियों के निस्कारण के अंतिम नोटिस जारी करना निगम की कार्यशैली पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा



संदीप त्यागी बने जिला प्रधान

करनाल। असंघ दमकल केंद्र में आयोजित सम्मेलन के दौरान नवनिर्वाचित अग्रिनशमन यूनियन पदाधिकारी।
करनाल। अग्रिनशमन विभाग कर्मचारी यूनियन, संबंधित सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा का जिला स्तरीय त्रिपक्षीय सांठगठक प्रतिनिधि सम्मेलन बर्नॉक असंघ दमकल केंद्र पर विधिवत रूप से संपन्न हुआ। सम्मेलन की अध्यक्षता नित्यमंगल जिला उप प्रधान कपिल ने की, जबकि मंच संचालन बर्नॉक प्रधान रामपाल ने किया। सम्मेलन में चुनाव पदाधिकार के रूप में राज्य प्रधान राजेंद्र सिंघान, महासचिव गुलशन भारद्वाज, वरिष्ठ नेता उधम सिंह राठी, सर्व कर्मचारी संघ जिला प्रधान सुशील गुर्जर तथा सचिव सेवा राम उपस्थित रहे। वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान केंद्र और राज्य सरकारें कर्मचारियों की मांगों के प्रति गंभीर नहीं हैं। सम्मेलन में गत तीन वर्षों की सांठगठक एवं आय-व्यय रिपोर्ट का प्रस्तुत भी गई। इसके बाद सर्वसम्मति से नई जिला कमेटी का गठन किया गया, जिसमें संदीप त्यागी को जिला प्रधान, कमलजीत सिंह को सचिव, धर्मवीर सिंह को कोषाध्यक्ष, सोमपाल राणा को वरिष्ठ उप प्रधान तथा अन्य पदाधिकारियों को मनोनीत किया गया। नवनिर्वाचित जिला प्रधान संदीप त्यागी ने कर्मचारियों के अधिकारों की लड़ाई को मजबूती से लड़ने का संकल्प लेते हुए सभी का आभार जताया।

व्यावसायिक अध्यापकों के लिए पांच दिवसीय कार्यक्रम संपन्न

तकनीकी एवं शैक्षणिक कौशल उन्नयन में उपयोगी सिद्ध हुआ प्रशिक्षण कार्यक्रम

नई शिक्षा नीति और कौशल विकास पर फोकस, व्यावसायिक अध्यापकों का प्रशिक्षण
हरिभूमि न्यूज करनाल

कार्यक्रम के संचालन में आईएफआईसी प्रमोटी मुनिश कुमार तथा समन्वयक रेखा चालीया की महत्वपूर्ण भूमिका रही। डॉ. ईश्वर सिंह ने राष्ट्रीय शिक्षक व्यावसायिक मानकों पर एकीकृत सत्र प्रस्तुत किए।



करनाल। पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान सत्र में भाग लेते व्यावसायिक अध्यापक।

22 से 27 दिसंबर तक व्यावसायिक अध्यापकों के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम ज्योत्सना मिश्रा के प्रभावी मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के संचालन में आईएफआईसी प्रमोटी मुनिश कुमार तथा समन्वयक रेखा चालीया की महत्वपूर्ण भूमिका रही। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान नई शिक्षा नीति 2020, राष्ट्रीय पाठ्यचर्या ढांचा, कुत्रिम बुद्धिमत्ता, जीवन कौशल, 21वीं सदी के कौशल तथा राष्ट्रीय शिक्षक व्यावसायिक मानक जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा विस्तार से सत्र आयोजित किए गए। डीआईटी शाहपुर से संबद्ध डॉ. देवेंद्र कुमार ने कुत्रिम बुद्धिमत्ता पर, परवीन कुमार ने नई शिक्षा नीति 2020 एवं राष्ट्रीय पाठ्यचर्या ढांचे पर तथा डॉ. ईश्वर सिंह ने राष्ट्रीय शिक्षक व्यावसायिक मानकों पर एकीकृत सत्र प्रस्तुत किए।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में चार ट्रेड शामिल रहे
सूचना प्रौद्योगिकी, ब्यूटी एवं वेलनेस सुंदरा व्यापार तथा बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं एवं बीमा। सूचना प्रौद्योगिकी ट्रेड के अंतर्गत कुत्रिम बुद्धिमत्ता पर सुरेंद्र, ऑटोमेटा पर साहिल, को-बोर्ड कौशल पर अलका, डाटा संरचना पर विशाल तथा पाठ्यक्रम प्रोग्रामिंग भाषा पर गौतम द्वारा विस्तारपूर्वक प्रशिक्षण दिया गया। ब्यूटी एवं वेलनेस ट्रेड के अंतर्गत त्वचा की संरचना एवं शरीर किया विज्ञान तथा रंग चक्र जैसे विषयों पर पिंकी रानी एवं पिंकी देवी द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। सुंदरा व्यापार पर विशाल तथा पाठ्यक्रम प्रोग्रामिंग भाषा पर गौतम द्वारा विस्तारपूर्वक प्रशिक्षण दिया गया। ब्यूटी एवं वेलनेस ट्रेड के अंतर्गत त्वचा की संरचना एवं शरीर किया विज्ञान तथा रंग चक्र जैसे विषयों पर पिंकी रानी एवं पिंकी देवी द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। सुंदरा व्यापार पर विशाल तथा पाठ्यक्रम प्रोग्रामिंग भाषा पर गौतम द्वारा विस्तारपूर्वक प्रशिक्षण दिया गया।

दयाल सिंह पब्लिक स्कूल मेन ब्रांच की टीम प्रथम

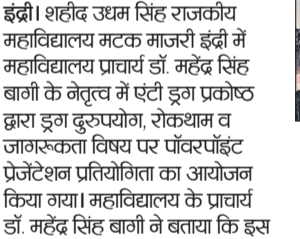


हरिभूमि न्यूज करनाल

दयाल सिंह पब्लिक स्कूल, दयाल सिंह कॉलोनी, करनाल के परिसर में अंतर दयाल सिंह वॉलीबॉल प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में दयाल सिंह पब्लिक स्कूल मेन ब्रांच, सेक्टर-7, जगाधरी तथा पानीपत स्कूल की चार टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने शानदार खेल भावना, अनुशासन और तकनीकी कौशल का प्रदर्शन किया। कड़े मुकाबलों के बाद दयाल

सिंह पब्लिक स्कूल मेन ब्रांच की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। जगाधरी की टीम ने द्वितीय तथा सेक्टर-7 की टीम ने तृतीय स्थान हासिल किया। विजेता खिलाड़ियों को दयाल सिंह कॉलेज ट्रस्ट सोसायटी के जी.एम. ब्रिगेडियर रणधीर सिंह, मैनेजर अकाउंट विवेक अरोड़ा, विद्यालय की प्राचार्य सुषमा देवगन एवं मुख्य अध्यापिका प्रिया कपूर द्वारा पुरस्कार प्रदान किए गए। ब्रिगेडियर रणधीर सिंह ने कहा कि खेल बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। खेलों से

पॉवरपॉइंट प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता में जसकिरण ने पाया प्रथम स्थान



हरिभूमि न्यूज करनाल

इंद्री। शहीद उमम सिंह राजकीय महाविद्यालय मटक माजरी इंद्री में महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. महेंद्र सिंह बागी के नेतृत्व में एंटी ड्रग प्रकोष्ठ द्वारा ड्रग दुरुपयोग, रोक्तथाम व जागरूकता विषय पर पॉवरपॉइंट प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. महेंद्र सिंह बागी ने बताया कि इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें स्वस्थ, सकारात्मक और अनुशासित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है। एंटी ड्रग प्रकोष्ठ प्रमोटी प्रो. पूजा ने कहा कि ड्रग जागरूकता केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज की सुरक्षा, प्रगति और समृद्धि से भी जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि ड्रग जागरूकता एक सामूहिक प्रयास है। जब तक समाज का प्रत्येक व्यक्ति जागरूक होकर सक्रिय भूमिका नहीं निभाएगा, तब तक इस समस्या का समाधान संभव नहीं है।

ड्रग जागरूकता पर कार्यक्रम

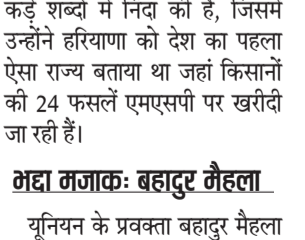


हरिभूमि न्यूज करनाल

इंद्री। शहीद उमम सिंह राजकीय महाविद्यालय में आयोजित प्रतियोगिता में भाग लेते विद्यार्थी।
गौतम रोड़ द्वारका देवभूमि गुजरात में श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ व अखंड भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। यज्ञाचार्य प्रमोद शास्त्री महायज्ञ करवायेंगे व विश्व प्रसिद्ध कथा व्यास आचार्य रजनीश जी वाले अपनी मधुर वाणी से श्रद्धालुओं के समक्ष द्वारिकाधीश जी की कथा का वर्णन करेंगे। इस अवसर पर गोयल इंटरनेशनल प्रॉवेंट लिमिटेड के सौम्य विनोद गोयल, विजय गोयल, कृष्ण गोयल, मुनीश गोयल, विपुल गोयल, सीमा गोयल के अलावा परिवार के सभी सदस्य मौजूद रहे। वहीं तरावड़ी व आसपास के गांवों से सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु द्वारिकाधीश पहुंचे। श्रद्धालुओं ने शोभा

किसान यूनियन ने सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

हरिभूमि न्यूज करनाल
24 फसलों पर एमएसपी के दावों को झूठा बताया



महा मजाक: बहादुर मैहला

यूनियन के प्रवक्ता बहादुर मैहला बलड़ी ने कहा कि यह बयान किसानों के साथ एक भद्रा मजाक है। उन्होंने कहा कि गेहूं को छोड़कर एक भी फसल ऐसी नहीं है जिस पर किसान को वास्तव में एमएसपी मिल रही हो। धान खरीद में घोटाला में अब तक का सबसे बड़ा घोटाला हुआ है, जिसमें अधिकारी, आदमी और व्यापारी मिलकर हजारों करोड़ रुपये

का गड़बड़झाला कर चुके हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यह सब सरकार के संरक्षण में हुआ है। बहादुर मैहला ने कहा कि यदि सरकार वास्तव में किसान हितैषी होती तो ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की घोषणा की जाती। यूनियन ने सरकार के झूठे दावों का पदीकाश करने के लिए बड़ा आंदोलन करने की चेतावनी दी है।

जागरूक पर्यावरण संरक्षण समिति करनाल की ओर से अहम बैठक आयोजित

स्वच्छ सर्वेक्षण में करनाल को प्रथम स्थान दिलाने के लिए समिति का संकल्प



हरिभूमि न्यूज करनाल

पर्यावरण संरक्षण समिति करनाल द्वारा सेक्टर-13 स्थित आर्य समाज लाइब्रेरी में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता समिति के चेयरमैन एस.डी. अरोड़ा ने की। बैठक में नगर निगम करनाल द्वारा वर्ष 2025-26 के स्वच्छ सर्वेक्षण में प्रथम स्थान प्राप्त करने के लक्ष्य को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। समिति चेयरमैन एस.डी. अरोड़ा ने जानकारी देते हुए बताया कि स्वच्छ सर्वेक्षण में जमीनी स्तर के मूल्यांकन और नागरिकों की प्रतिक्रिया के लिए कुल 10,500 अंक निर्धारित किए गए हैं। इन अंकों में



करनाल। सेक्टर-13 आर्य समाज लाइब्रेरी में आयोजित बैठक में पर्यावरण संरक्षण समिति के पदाधिकारी स्वच्छ सर्वेक्षण को लेकर विचार-विमर्श करते हुए।

दृश्यमान स्वच्छता, कचरा पृथक्करण, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, प्रयुक्त जल प्रबंधन, सीवरज निकासी व्यवस्था, स्वच्छता की वकालत, नागरिक सहभागिता तथा सफाई कर्मचारियों के सहयोग जैसे

प्रमुख बिंदु शामिल हैं। बैठक में यह संकल्प लिया गया कि पर्यावरण संरक्षण समिति स्वच्छ सर्वेक्षण में करनाल नगर निगम को प्रथम स्थान दिलाने के लिए हर संभव सहयोग करेगी। समिति अपने-अपने वादों में टीम गठित कर डोर-टू-डोर संपर्क करेंगे, विशेष रूप से महिलाओं को स्वच्छता अभियान से जोड़ने पर जोर दिया जाएगा। इसके साथ ही शहर के विभिन्न क्षेत्रों में नुकसंद बैठकों का आयोजन कर लोगों को इस मुहिम से जोड़ा जाएगा।

किसानों के हितों से समझौता नहीं करेगा संगठन अमानक खाद बेचने वालों पर कार्रवाई तय

करनाल। हरियाणा फर्टिलाइजर, सोड्स एवं पेस्टीसाइड एसोसिएशन की प्रदेश स्तरीय बैठक शनिवार को करनाल स्थित किजी बेवेटेड हॉल प्रेम प्लाजा में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश प्रधान हरमेश सिंह एवं चेयरमैन अमित गोयल ने की। बैठक में हरियाणा के सभी जिलों से जिला प्रधान, सचिव, खाद के थोक विक्रेता तथा सुदुरा विक्रेता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। बैठक में सर्वसम्मति से निर्धारित किया गया कि संगठन हमेशा किसानों के हितों को सर्वोपरि रखते हुए कार्य करेगा। संगठन ने स्पष्ट किया कि कोई भी विक्रेता अमानक खाद, बीज या कीटनाशक का विक्रय नहीं करेगा। यदि कोई विक्रेता इस प्रकार का सामान बेचना पाया गया तो उसके विक्रेता जिला संगठन एवं प्रदेश संगठन द्वारा सख्त कार्रवाई की जाएगी तथा संबंधित मामले को सूचना कृषि विभाग को भी दी जाएगी। यह भी निर्णय लिया गया कि यदि कोई खाद विक्रेता किसानों के अलावा अन्य स्थलों या दूसरे राज्यों में खाद बेचना पाया गया तो संगठन उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगा। संगठन की ओर से किसानों से भी अपील की गई कि वे थोड़े से लालच में आकर स्वयं व अमानक खाद, बीज व दवाइयों का प्रयोग न करें, क्योंकि इसके उनकी फसल और मत्पिंड दोनों को नुकसान हो सकता है। बैठक में करनाल जिला प्रधान राम कुमार गुप्ता ने बताया कि हाल ही में करनाल में उप कृषि निदेशक को हानिपन सौकर उज थोक विक्रेताओं की शिकायत की गई थी जो खाद के साथ जबरन अन्य उत्पाद बेच रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि संगठन किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं है।

खबर संक्षेप

विक्रम हत्याकांड में नौ पर केस दर्ज

पानीपत। हुडा सेक्टर 29 थाना पुलिस ने शनिवार को पानीपत के सिविल अस्पताल में खटीक बस्ती निवासी विक्रम की हत्या के आरोप में नौ लोगों पर केस दर्ज किया। वहीं पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद विक्रम का शव उसके परिजनों को सौंप दिया। इधर, थाना पुलिस के अलावा पुलिस की तीन टीमों हत्यारोपियों की तलाश में जुटी है। मृतक के परिजनों का दावा है कि खटीक बस्ती की धर्मशाला की दुकानों में जुआ व सट्टेबाजी का विशेष करने पर विक्रम की चाकू मार कर हत्या की गई है। इधर, थानेदार सुभाष ने बताया कि विक्रम हत्याकांड में केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गई है, पुलिस की तीन टीमों आरोपियों की तलाश में लगी है, जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

डॉक्टर पर रेप का लगाया आरोप, केस दर्ज पानीपत। पानीपत निवासी एक विवाहिता अपने पति के मामा डॉ पर उसके साथ दुष्कर्म की चेष्टा का आरोप लगाया है। वहीं विवाहिता का आरोप है कि पति व सुसर ने इस मामले को खाने का प्रयास किया और उसे चेतावनी दी कि इस केस को यदि पुलिस में ले गई तो उसे घर से निकाल दिया जाएगा। विवाहिता का आरोप है कि थाना चांदनी बाग पुलिस में केस दर्ज कराने से नाराज सुसरालियों ने उसे घर से निकाल दिया। अब वह मायके में निवास कर रही है। इधर, थानेदार तहसील कैप ने बताया कि विवाहिता की शिकायत पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस की जांच में जो भी आरोपी दोषी पाया जाएगा उस पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

युवती का दूसरी बार किया अपहरण, केस दर्ज पानीपत। पानीपत के एक गांव निवासी युवती का पांच महीने में दूसरी बार अपहरण कर लिया गया। परिजनों ने गांव के ही एक दूसरी जाति के परिवार पर युवती से जबरन शादी, दुष्कर्म या जिस्मफरोशी के इरादे से बहला-पुसलाकर ले जाने का आरोप लगाया है। वहीं, शिकायतकर्ता व उसके परिजनों ने आरोपी व उसके परिजनों से जान का खतरा भी जताते हुए आरोप लगाया कि मनीष वाल्मीकि उनकी बेटी का अपहरण कर अपने साथ ले गया। लडकी के अपरण में आरोपी मनीष के भाइयों, मां व पिता भी शामिल है। इधर, लडकी के चाचा की शिकायत पर थाना मल्लोड़ा पुलिस ने मनीष व उसके परिजनों पर बीएनएस की धारा 137(2) और 87 के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बलवान हत्याकांड में कोई सुराग नहीं मिला पानीपत। पानीपत के गांव बलाना निवासी पूर्व विधायक मंसा राम के 76 वर्षीय भतीजे बलवान सिंह की हत्या के मामले में पानीपत पुलिस की सीआईए वन पुलिस आठ माह बाद भी कोई सुराग नहीं लगा पाई है। परिजनो ने पुलिस से कई बार जानकारी मांगी है, लेकिन अब तक बलवान हत्याकांड में कोई ठोस प्रामति नहीं हुई है। वहीं, पुलिस प्रशासन का दावा है बलवान हत्याकांड की जांच जारी है और जल्द ही हत्यारोपियों को पकड़ का कलक की इस वारदात का खुलासा किया जाएगा।

सड़क हादसे में दो घायल, भर्ती केस की जांच शुरू
पानीपत। पुलिस ने न्यू बसंत नगर निवासी डॉ. सौरभ जैन द्वारा जहरीला इंजेक्शन लगाकर सुसाइड करने के मामले की जांच शुरू कर दी है। इधर, पुलिस ने डॉ जैन से बरामद सुसाइड नोट के जांच के लिए फोरेंसिक ले भेजा है। स्मरणीय है कि मृतक डॉ. सौरभ जैन ने अपनी मौत के लिए अपनी पत्नी पत्नी डिंपल, सास रेनु जैन, साला शुभम और पत्नी के मामा टोटू बनिया निवासी बुद्धविहार कॉलोनी, गनौर जिला सोनीपत को जिम्मेदार ठहराया था। पुलिस ने आरोपियों पर केस दर्ज कर रखा है।

धर्म रक्षा की मिसाल है चार साहिबजादे पानीपत। उपायुक्त डॉ. वीरेंद्र दहिवा ने वीर बाल दिवस पर कहा कि गुरु गोविंद सिंह के साहिबजादों का बलिदान भारतीय इतिहास का स्वर्णिम अध्याय है, जो साहस, धर्म और राष्ट्रभक्ति की अद्वितीय मिसाल प्रस्तुत करता है।

गर्भ रक्षा की मिसाल है चार साहिबजादे पानीपत। उपायुक्त डॉ. वीरेंद्र दहिवा ने वीर बाल दिवस पर कहा कि गुरु गोविंद सिंह के साहिबजादों का बलिदान भारतीय इतिहास का स्वर्णिम अध्याय है, जो साहस, धर्म और राष्ट्रभक्ति की अद्वितीय मिसाल प्रस्तुत करता है।

गर्भ रक्षा की मिसाल है चार साहिबजादे पानीपत। उपायुक्त डॉ. वीरेंद्र दहिवा ने वीर बाल दिवस पर कहा कि गुरु गोविंद सिंह के साहिबजादों का बलिदान भारतीय इतिहास का स्वर्णिम अध्याय है, जो साहस, धर्म और राष्ट्रभक्ति की अद्वितीय मिसाल प्रस्तुत करता है।

स्वयं सेवियों ने रोबोटिक्स व एआई तकनीक का ज्ञान लिया एनएसएस के शिविर में स्वयंसेवकों ने बिखेरी हरियाणा संस्कृति की छटा

राजस्थान ने अपने प्रदेश की भौगोलिक स्थिति और परंपराओं को नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत किया

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ पानीपत

गुरु गोविंद सिंह पब्लिक स्कूल में चल रहे एनएसएस कैम्प के तीसरे दिन रिववार को पाइंट कॉलेज की प्रोफेसर डॉक्टर अंजू गांधी ने स्वयं सेवकों को रोबोटिक्स और एआई तकनीक की, स्वास्थ्य विभाग से डॉ रविंद्र कुमार ने बच्चों को एचआईवी के विरुद्ध जागरूक किया। दूसरी ओर, प्रतिभागी राज्य राजस्थान ने अपने प्रदेश की भौगोलिक स्थिति और परंपराओं को नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत



पानीपत। एनएसएस के राष्ट्रीय स्तरिय कैम्प में छत्तीसगढ़ के स्वयंसेवी विद्यार्थी सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश करते हुए।

किया। जबकि छत्तीसगढ़ टीम ने पारंपरिक परिधान में दोपावली उत्सव, शिव पार्वती विवाह के अवसर पर किए जाने वाला सुआ नृत्य प्रस्तुत किया। मध्य प्रदेश की टीम ने अपने पारंपरिक लोक राई नृत्य, असम की टीम ने भारतीय क्लासिकल नृत्य के माध्यम से असम की सत्रह संस्कृतियों को दर्शाया। जम्मू कश्मीर राज्य की टीम ने रोफ़ नृत्य, हेकट नृत्य और मजाकिया अंदाज में लेडिशा को प्रस्तुती दी। जबकि सबसे आकर्षण का केंद्र सोनीपत के स्वयं सेवक बंटी की महिला परिधान में प्रस्तुति रही। इस अवसर पर सुनील कुमार, छत्तीसगढ़ से शोभनरायण गजेन्द्र, मध्य प्रदेश से दिनेश ओझा, असम से असीम कुमार वैद्य, जम्मू कश्मीर से रहीश अहमद, राजस्थान से ऐलिस सिंह, महाराष्ट्र से प्रदया, पंजाब से गुरविंद सिंह, स्कूल निदेशक मनोज धमोजा,

खास बातें
विद्यार्थियों ने साइबर काइम जैसे ज्वलंत मुद्दों पर नाटक के माध्यम से प्रभावशाली प्रस्तुतियां दी

पानीपत। केआर मंगलम स्कूल की प्राचार्या डॉ. शिवानी कंडोला, डॉ राजीव परुथी को सम्मानित करते।

साइबर तगों के झंसे में ना आए : डॉ राजीव
पानीपत। केआर मंगलम स्कूल में आयोजित विंटर कॉन्वेल नेवारा कार्यक्रम में पीसीसी के निदेशक डॉ राजीव परुथी ने बतौर विशेष अतिथि पहुंचे। उनका प्रिंसिपल डॉ शिवानी कंडोला ने स्वागत करते हुए शिक्षकों से परिचय कराया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने साइबर काइम जैसे ज्वलंत मुद्दों पर नाटक के माध्यम से प्रभावशाली प्रस्तुतियां दीं। डॉ राजीव परुथी ने कहा कि साइबर काइम पर नाटक के जरिए जागरूकता फैलाना सराहनीय प्रयास है। वहीं, सभी लोगों को इंटरनेट संचालित कंप्यूटर, मोबाइल फोन आदि पर अपनी निजी जानकारी सार्वजनिक नहीं करना चाहिए। कार्यक्रम अधिकारी मन्नु देशवाल, अजेंद्र कुंडू, रविंद्र सिंह, रणदीप मान, प्रदीप मलिक, सुनीता, दीपति मलिक, नरेश कुमारी, ऋचा परमार, सीमा गुरगुप्त, मोनिका सोनीपत, पुष्पा रोहतक मौजूद रहे।

मानव तस्करी और बाल श्रम के खिलाफ लोगों को चेताया

आज भी भारत में मानव तस्करी व बाल श्रम एक बड़ी चुनौती

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ पानीपत

जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण पानीपत, रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स, राजकीय रेलवे पुलिस, मानव तस्करी विरोधी इकाई, बाल कल्याण समिति, श्रम विभाग और एमडीडी ऑफ इंडिया द्वारा पानीपत रेलवे स्टेशन पर मानव तस्करी और बाल श्रम के खिलाफ संयुक्त जागरूकता अभियान चलाया गया। जिसमें रेलवे वेंडर्स, कुली, ऑटो व ई रिक्शा ड्राइवर्स और



पानीपत। पानीपत के रेलवे स्टेशन पर नागरिकों के बाल श्रम के विरुद्ध जागरूक करते हुए संजय कुमार।

पैसेजर्स को मानव तस्करी और बाल श्रम के खिलाफ जागरूक किया गया व उनसे ऐसी किसी भी गतिविधि की सूचना प्रशासन और रेलवे पुलिस को देने की अपील की गई। वहीं, एमडीडी ऑफ इंडिया के पानीपत जिला समन्वयक संजय कुमार ने कहा कि आज भी भारत में मानव तस्करी व बाल श्रम एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। इन कुरीतियों को खिलाफ समाज के हर वर्ग को एकजुट होना होगा। इस अवसर पर दिनेश मीणा, संदीप, मालती अरोड़ा, किरण मलिक, सुरेंद्र मान आदि उपस्थित रहे।

दलितों का शोषण बंद हो: योगेंद्र योगी

पानीपत। हरियाणा लोक सेवा आयोग द्वारा हाल ही में लागू की गई नई भर्ती प्रक्रिया सामाजिक न्याय और संवैधानिक आरक्षण की भावना के विपरीत साबित हो रही है। उक्त आरोप हरियाणा केश कला एवं कौशल विकास बोर्ड के पूर्व चेयरमैन योगेंद्र योगी नेशनल कॉर्डिनेटर अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी ने लगाए।

गैस सिलेंडर में आग ली, नुकसान पानीपत। तहसील कैम्प क्षेत्र के प्रकाश नगर में एक मकान में गोलगप्पे बनाते समय अचानक एलपीजी गैस सिलेंडर में आग लग गई। वहीं घरवालों ने सिलेंडर को मकान के बाहर सड़क पर फेंक दिया।

श्री कृष्ण कृपा जीओ गीता सेवा समिति एवं इनर व्हील क्लब जोन नौ पानीपत के संयुक्त तत्वावधान में आठ जनवरी को आर्य कॉलेज के ऑडिटोरियम में प्रबुद्ध महिला संगोष्ठी होगी। संगोष्ठी में गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद, गीता पाठ करते हुए जानकारी देंगे कि श्रीमद्भागवत गीता किस प्रकार से अत्यंत सहयोगी है। वहीं प्रबुद्ध महिला संगोष्ठी की

बच्चों की सेहत पर बुरा असर डाल रहा मोबाइल फोन: रणबीर कुंडू

दिलियों को सर्दी से बचाव के लिए बनाए घोंसले

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ पानीपत

पानीपत के गांव थिराना के सरपंच कुलदीप देशवाल ने इंस्नापित और संवेदनशीलता की मिसाल पेश की है, जो समाज के लिए प्रेरणास्रोत बन गई है। जब सर्दी का प्रकोप बढ़ता है और खुले आसमान के नीचे रहने वाले बेजुबान पक्षी ठंड से जूझते हैं, ऐसे समय में सरपंच देशवाल ने उनके लिए सुरक्षित आश्रयाने की व्यवस्था कर यह साबित किया कि विकास केवल इंसानों तक सीमित नहीं होना चाहिए। सरपंच देशवाल की पहल से गांव के अलग-अलग हिस्सों में 10 पोल स्थापित कर कृत्रिम घोंसले लगाए गए हैं। इधर, सरपंच देशवाल

संचालक संजय कुमार की शिकायत पर हुडा सेक्टर-13/17 थाना पुलिस ने गांव बराना निवासी प्रमोद, आमिर खान, नूर हसन आदि के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 190, 191(3), 115(2), 324(4), 333 और 351(3) के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू की है। जबकि ठेका संचालक संजय का दावा है आरोपी उनके साथ मारपीट कर ठेके से नगदी व उनकी सोने की चीन छीन ले गए।

मोबाइल छीनने वाला युवक गिरफ्तार
पानीपत। सीआईए वन पुलिस टीम ने रसलापुर गांव में फैक्टरी से पैदल घर जा रहे श्रमिक विजय पुत्र संतोष निवासी गांव हथवाई जिला मुजफ्फरनगर उत्तर प्रदेश से मोबाइल स्नैचिंग करने वाले आरोपी प्रमोद पुत्र जय मगवान निवासी गांव अणवतपुर जिला सोनीपत को गिरफ्तार किया है। सीआईए वन प्रमोद इंस्पेक्टर पूनम कुमार ने बताया कि मोबाइल फोन सैट स्नैचिंग की उक्त वारदात बारे थाना बापोली में विजय की शिकायत पर केस दर्ज है।



पानीपत। हिमगिरी स्कूल में काउंसिलिंग सेशन में भाग लेते हुए विद्यार्थी।

बढ़ जाते हैं। उन्होंने समय रहते बच्चों से संवाद, सही मार्गदर्शन और भावनात्मक सहयोग की आवश्यकता पर बल देते हुए

संस्था ने जरूरतमंद लोगों की मदद करने की अपील की सर्दी से बचाव के लिए विद्यार्थियों को बांटीं जर्सी

मेयर ने सामर्थ नागरिकों से अपील की कि वे जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए आगे आए

राजकीय प्राथमिक पाठशाला विकास नगर में श्री ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉफ़्रेस युवा शाखा व उंची सोच एनजीओ द्वारा विद्यार्थियों को जर्सी वितरण सहयोग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि मेयर कोमल लाल, विशिष्ट अतिथि पार्षद



पानीपत। राजकीय स्कूल में विद्यार्थियों को जर्सी भेंट करते हुए मेयर कोमल सैनी, आदि।

अजीत बिट्टू प्रजापति, अजय शर्मा पार्षद, आशु शर्मा पार्षद पुत्र, अभिषेक जैन व रोहित जैन ने शिरकत की। सभी अतिथियों का विद्यालय की मुख्य शिक्षिका कान्ता देवी व स्टाफ सदस्यों व जर्सी सोच एनजीओ द्वारा विद्यार्थियों को जर्सी वितरण सहयोग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि मेयर कोमल लाल, विशिष्ट अतिथि पार्षद

नारी शक्ति ने निर्धनों को गर्म वस्त्र बांटे
पानीपत। यूथ वीरंगनाएं संस्था द्वारा मानवीय सरोकारों के तहत हुडा सेक्टर 24 की झुग्गी-झोंपड़ियों में रह रहे जरूरतमंद बच्चों, महिलाओं एवं गरीब परिवारों को सर्दी से बचाव के लिए गर्म कपड़ों का वितरण किया गया। इस सेवा और सहयोग अभियान में यूथ वीरंगनाएं संस्था की सक्रिय सदस्य बृज बाला, ज्योति सैनी,



पानीपत। समालखा में साहिबजादों व मां गुजरी की याद में श्रद्धांजलि यात्रा निकालते हुए साध संगत।

किवाना में शहीदों की याद में श्रद्धांजलि यात्रा निकाली

गुरु गोविंद सिंह के चारों साहिबजादों व माता गुजरी का शहीदी दिवस आदर सत्कार के साथ मनाया

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ समालखा

हिन्दू जन जाग्रति मंच, बीकेएन स्कूल गांव किवाना के विद्यार्थियों व समालखा की साधसंगत द्वारा गुरु गोविंद सिंह के चारों साहिबजादों व माता गुजरी का शहीदी दिवस आदर सत्कार के साथ मनाया गया। वहीं, श्रद्धालुओं ने रेलवे स्टेशन से गुरुद्वारा जीटी रोड तक श्रद्धांजलि यात्रा निकाली गई। इधर, मंच के प्रदेशाध्यक्ष विकास छौक्कर ने कहा गुरु गोविंद सिंह के साहिबजादों की शहादत इतिहास में साहस और त्याग

मानव को निष्काम सेवा का संदेश देती है भागवत गीता: रविंद्र सैनी



पानीपत। पानीपत का बुद्धिजीवी वर्ग, प्रबुद्ध महिला संगोष्ठी की जानकारी देते हुए।

संयोजक सीमा बब्बर ने बताया कि कार्यक्रम में छात्राएं, अध्यापन, अधिवक्ता, डॉक्टर आदि पेशों से जुड़ी महिलाएं भाग लेगी। इधर, इस कार्यक्रम को लेकर हुई बैठक में इनर व्हील क्लब डिस्ट्रिक्ट 308 की अध्यक्ष पूजा गोयल, विभू पालीवाल, पार्षद

पक्षियों को सर्दी से बचाव के लिए बनाए घोंसले

पानीपत के गांव थिराना के सरपंच कुलदीप देशवाल ने इंस्नापित और संवेदनशीलता की मिसाल पेश की है, जो समाज के लिए प्रेरणास्रोत बन गई है। जब सर्दी का प्रकोप बढ़ता है और खुले आसमान के नीचे रहने वाले बेजुबान पक्षी ठंड से जूझते हैं, ऐसे समय में सरपंच देशवाल ने उनके लिए सुरक्षित आश्रयाने की व्यवस्था कर यह साबित किया कि विकास केवल इंसानों तक सीमित नहीं होना चाहिए। सरपंच देशवाल की पहल से गांव के अलग-अलग हिस्सों में 10 पोल स्थापित कर कृत्रिम घोंसले लगाए गए हैं। इधर, सरपंच देशवाल

अंजना गुर्जर, कंवर रविंद्र सैनी, अनिल मदान, सुषमा, ममता, मोनिका, हर्ष, अर्चना शर्मा ने कहा कि गीता में ईसान की हर समस्या का हल दर्ज है। सभी को गीता का अध्ययन करना चाहिए। गीता, मानव को निष्काम कर्म का संदेश देती है।

न्यायालय तहसीलव्दर-कम-सब-रहितरूप पानीपत

जसवीर सिंह सुपुत्र श्री स्व. महेश सिंह पुत्र स्व. श्री सोहन सिंह निवासी मकान न. 910/3, इन्दौर बाजार, पानीपत तहसील व जिला पानीपत।
जनरल पब्लिक इस इशतार के माध्यम से हर आंव व खास को सुनिश्चित किया जाता है कि न्यायप्रति सिंह सुपुत्र श्री स्व. महेश सिंह पुत्र स्व. श्री सोहन सिंह निवासी मकान न. 910/3, इन्दौर बाजार, पानीपत तहसील व जिला पानीपत ने एक दस्तावेज पंजीकृत हेतु इस कर्नालय में पेश किया है। जिसमें स्पष्ट रूप से बताया गया है कि प्रार्थी के दादा स्व. श्री सोहन सिंह का दिनांक 01/11/1984 को स्वर्णवास हो चुका है और सोहन सिंह की पत्नी यानी प्रार्थी को यदी अमृत कौर का दिनांक 19/12/2019 को हो चुका है। जिसको रिपोर्ट न्यायद्वारा राजीव न्यायद्वारा व वीर पटवारी से करवा दी गई है जो कि साथ सत्य है। प्रार्थी के दादा के निम्न वारिस उतराधिकारी हैं:- 1- ज्ञान सिंह (पुत्र) 2- सुन्दर सिंह (पुत्र) 3- भगवान सिंह (पुत्र) 4- मोहन सिंह (पुत्र) 5- हरजीत कौर (पुत्री) 6- परमजीत कौर (पुत्री) 7- गुर्मीत चूच (पुत्री) उपरोक्त वारिसान में से महेश सिंह सुपुत्र श्री सोहन सिंह का स्वर्णवास दिनांक 13/10/2019 को हो चुका है तथा उनको मृत उपरान उनको निम्न वारिस/उतराधिकारी हैं:- 1- स्वर्णजीत कौर (भगवती) 2- जसवीर सिंह (सुपुत्र) 3- अनेकार सिंह (सुपुत्र) है। इनके अलावा मृतक सोहन सिंह का अन्य कोई वारिस/उतराधिकारी नहीं है। जिसके सम्बन्ध में प्रार्थी ने शपथपत्र भी प्रस्तुत किया है। इसलिए हर आंव व खास को इस इतिहास/नोटिस के प्रकाशन के उपरान्त 30 दिन के अन्दर उपरोक्त वारिसान में कानिद्वारा के दिन अपने आपगत पेश कर सकता है। अन्यथा उपरोक्त न्यायों के आधार पर दस्तावेज का पंजीकरण कर दिया जायेगा। यह नोटिस वारिस इशतार आदि दिनांक 24.12.2025 को भी इशतार व न्यायलय को भेजा जाया गया है।
हरम्तु/ तासरीलवार-कम-सब रमितरूप, पानीपत

नववर्ष का संदेश लेकर नववर्ष द्वार पर खड़ा है। उसका स्वागत हम पूरे उत्साह-उमंग के साथ अवश्य करें। साथ ही आगामी नववर्ष में न केवल अपने जीवन को, अपने से जुड़े लोगों, समाज और पर्यावरण को बेहतर बनाने का संकल्प भी जरूर लें। न केवल संकल्प लें, उसे क्रियान्वित करने के लिए भी समग्र ऊर्जा से सक्रिय रहें। तभी आगामी वर्ष में चहुंओर नवचेतना का संचार होगा।

आवरण कथा

कुमार राधारमण

वर्तमान साल बीत रहा है। नए साल ने दस्तक दे दी है। नया साल सिर्फ कैलेंडर का बदल जाना नहीं होता है। यह बीत रहे साल की समीक्षा का अवसर भी है। हम सबकी कुछ अच्छी और कुछ कड़वी यादें इससे जुड़ी होंगी। नया साल विगत की अनुकूल स्मृतियों को सहेजने, उसे नए साल में नई ऊंचाइयों देने का अवसर है। यह प्रतिकूलताओं से सबक लेने का मौका है। जीवन की हर घटना सीखने का अवसर भी होती है। हम सब कई बार चूकते हैं। हमारी चूक निराशा का कारण न बने, हम अपनी गलतियों से सीखें। इसी में वर्तमान का उल्लास भी है और भविष्य का सुनहरा स्वप्न भी।

बनाए रखेंगे सकारात्मक दृष्टिकोण: नया साल, नए उत्साह, नई संभावनाओं, नए सपनों और नए संकल्पों को नए पंख देने का अवसर है। जीवन में हमेशा एक नई शुरुआत संभव है। बीत रहा साल चाहे जैसा रहा हो, नए साल में हम अपनी कहानी फिर से लिख सकते हैं। हर नए दिन का उपयोग हम अपने लक्ष्य के करीब जाने के लिए कर सकते हैं। यह सकारात्मक सोच से ही संभव होगा, क्योंकि चुनौतियों को अवसर में बदलने की क्षमता तभी विकसित होती है। हर समस्या, अपना समाधान भी लिए होती है। इसलिए,



बीता साल जैसा भी रहा, उसे धन्यवाद दें कि हमारे जीवन में एक महत्वपूर्ण प्रसंग उपस्थित हुआ। धन्यवाद इसलिए कि बीते साल की सफलताओं ने हमको आत्मविश्वास दिया, खुशियां दीं और असफलताओं ने हमको मजबूत, संवेदनशील और समझदार बनाया। प्रकृति नित नूतन है। यह नूतनता पुराने के प्रति आग्रह छोड़ने का निमंत्रण है। विगत चाहे स्वर्णकाल रहा हो, हमारी आज की चुनौतियां नई हैं और हमें आज की परिस्थितियों में निखरने के लिए हमेशा अपने मन के द्वार नए के लिए खुले रखने होंगे। विकास की यही परिभाषा है। सिर्फ व्यापार को ही नहीं, मन को भी मुक्त करने की जरूरत है। सभी समस्याओं की जड़ भूत और भविष्य से बंधा हमारा मन ही है, जबकि चुनौतियां वर्तमान की हैं। मुक्त मन समावेशी तो होता ही है, दूसरों की मुक्ति के द्वार भी खोलता है।

नववर्ष में हम करें नवचेतना का संचार



सीखेंगे नित नए कौशल: तेजी से बदलती इस दुनिया में निरंतर सीखना और अपना कौशल विकास करते रहना जरूरी है। व्यस्तता हमें अनचाहे ही अक्सर अपने प्रियजनों से दूर कर देती है। वास्तविक दुनिया के लोगों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताना ही हमारा संकल्प हो। इससे क्षमाभाव मजबूत होगा, पुरानी कड़वाहट दूर होगी, संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी, मन हल्का और खुश रहेगा। अपने लिए यथार्थवादी लक्ष्य निर्धारित करें। बड़े सपने देखें, बशर्ते उसे कार्यरूप देने का सामर्थ्य भी हम में हो।

तन-मन का रखेंगे ध्यान: स्वास्थ्य से बढ़कर कुछ भी नहीं। संतुलित आहार और पर्याप्त नींद भी हमारे संकल्प का हिस्सा हो। मौजूदा उन्मादी दौर में मानसिक स्वास्थ्य से ध्यान रखना भी जरूरी है। तनाव प्रबंधन सीखना और सकारात्मक मानसिकता विकसित करना आधुनिक जीवन की आवश्यकता है। हर हाल में अच्छाई खोजना और आशावादी रहना जीवन को रूपांतरित कर देता है। हम सक्षम हैं और सफल होने के योग्य हैं, यह विश्वास सदा बना रहे। विंस्टन चर्चिल का प्रसिद्ध कथन है कि न तो सफलता अंतिम होती है, न असफलता घातक होती है, असली बात यह है कि आपमें जारी रखने का साहस है या नहीं।

धनार्जन भी है जरूरी: धन भी महत्वपूर्ण है। गरीब रखने वाली विचारधारा से दूर रहें। वित्तीय लक्ष्य तय करें। बचत और निवेश जरूरी है। व्यस्तता हमें अनचाहे ही अक्सर अपने प्रियजनों से दूर कर देती है। वास्तविक दुनिया के लोगों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताना ही हमारा संकल्प हो। इससे क्षमाभाव मजबूत होगा, पुरानी कड़वाहट दूर होगी, संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी, मन हल्का और खुश रहेगा। अपने लिए यथार्थवादी लक्ष्य निर्धारित करें। बड़े सपने देखें, बशर्ते उसे कार्यरूप देने का सामर्थ्य भी हम में हो।



अनिश्चितताओं से भरा है। अगली पीढ़ी के लिए सब सोचना आपका ही दायित्व नहीं है, अगली पीढ़ी खुद भी अपने लिए करेगी ही। आप अपने वर्तमान को स्वर्णिम बनाएं। जब आप खुब धन कमा लेंगे, एक दिन वही धन ऊब पैदा करने लगेंगा। भौतिक धन परमधन को पाने का साधन मात्र रहे। पावर ऑफ मेंटेनेन्स के उपयोग का उपयोग केवल धन को आकर्षित करने के लिए न करें। हमारे पास जो

कुछ भी है, उसके प्रति कृतज्ञता से जीवन में अच्छाई को आकर्षित करना भी सीखें। रहेंगे खुद के करीब: समय धन से भी अधिक कीमती है। इसका सदुपयोग करें। आलस्य छोड़ें, तभी हम अधिक उत्पादक और सफल बन पाएंगे। आलस्य छोड़ने का मतलब हर समय व्यस्त रहना नहीं है। आराम और मनोरंजन भी महत्वपूर्ण हैं। संतुलन चाहिए। आत्म-प्रेम समग्र विकास के लिए जरूरी है। अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति के लिए समय निकालना हमारे जीवन को समृद्ध बनाता है। लिहाजा, रोजमर्रा के जीवन में कुछ पल ऐसे जरूर हों, जो नितांत निजी हों, जिसमें मोबाइल की भी दखल न हो। अपने लिए समय निकालना जरूरी है। लेकिन यह औरों के बनाए रील्स देखने के लिए न हो। यह समय अपनी पसंद के काम करने, किताबें पढ़ने, संगीत सुनने, ध्यान करने या प्रकृति से जुड़ने का हो जो हमको तरोताजा कर दे।

समाज-पर्यावरण का रखेंगे ध्यान: सभ्य नागरिक अपने समाज और पर्यावरण के प्रति भी जिम्मेदार होता है। हमारी पृथ्वी रहने लायक बनी रहे, आने वाली पीढ़ियों के लिए हम आदर्श बनें, नया साल इस संकल्प से भरने का समय भी है। जरूरतमंदों की मदद और सामाजिक कार्यों में भागीदारी आंतरिक संतुष्टि देती है। अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलें और नई चीजें आजमाने का साहस रखें। जीवन एक साहसिक यात्रा है और नए अनुभव हमें जीवंत और उत्साहित रखते हैं। सच्ची खुशी और संतुष्टि अनुभव, रिश्ते और भीतरी शांति ही देती है।

शांति के लिए करेंगे प्रयास: इस समय दुनिया भर में राजनीतिक और आर्थिक कारणों से अस्थिरता, अनिश्चितता का माहौल है। भय और चिंता के इस परिदृश्य में, अंतर्मन की जितनी जरूरत आज है, पिछले कुछ दशकों में शायद ही रही हो। युद्धों की आहट अनेक आशंकाएं पैदा कर रही हैं। हमारी वास्तविक जरूरत शांति है। शांत मन ही गहरी से गहरी समस्या का सम्यक समाधान तलाश सकता है और एक बेहतर जीवन की ठोस आधारशिला तैयार कर सकता है। विश्व शांति किसी धर्म या हथियार से नहीं, बल्कि जागरूकता से, हृदय से आ सकती है और उसका मार्ग ध्यान है। इसी से मनुष्य, मनुष्य से जुड़ा महसूस करेगा। प्रतिकूल समय में ही ज्ञान, धर्म, साहस और ऊर्जा की परीक्षा होती है।

असली ज्ञान, ऊर्जा, धर्म और पारक्रम यह है कि हम जहां भी हों, वहां के आस-पास की प्रकृति कोमल हो जाए। हम जिनके बीच रहें, उनकी भलाई स्वतः प्रकट होने लगे। हमारे भीतर इतनी गहरी शांति उतर आए कि सबके प्रति एक स्वीकार भाव हो। हम इसके लिए अपने स्तर पर अवश्य प्रयास करेंगे, ऐसा संकल्प जरूर लें। तब निश्चय ही आगामी वर्ष खुशहाली से भरपूर होगा। *

विशेष : वैश्विक परिवार दिवस, 1 जनवरी

वर्ष का पहला दिन यानी 1 जनवरी को पूरी दुनिया में ग्लोबल फैमिली-डे मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का उद्देश्य परिवार की महत्ता को समझना और पारिवारिक प्रेम-सौहार्द की भावना को व्यक्तिगत जीवन से लेकर समाज, देश ही नहीं पूरे विश्व में प्रसारित करना है।

व्यक्तिगत से वैश्विक कुटुंब तक बना रहे प्रेम-सौहार्द-शांति

आह्वान / शिखर चंद जैन

हर वर्ष 1 जनवरी को ग्लोबल फैमिली-डे यानी वैश्विक परिवार दिवस मनाया जाता है। यह दिन दुनिया भर के लोगों को एक बड़े वैश्विक परिवार के रूप में जोड़ने के साथ ही उनमें शांति, एकता, प्रेम और सौहार्द के मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित करता है। **भारत की प्राचीन अवधारणा:** हमारे देश में तो प्राचीन काल से ही 'वसुधैव कुटुंबकम' की अवधारणा को महत्व दिया जाता रहा है। लेकिन आधुनिक विश्व में ग्लोबल फैमिली-डे मनाने की शुरुआत, संयुक्त राष्ट्र के 'शांति के एक दिन' की विचारधारा से हुई थी। इसे देश, धर्म या नस्ल की सीमाओं से परे सभी लोगों द्वारा मिलकर मनाया जाता है। इस प्रकार यह दिन प्रेम और सद्भाव फैलाने पर जोर देता है। यह दिन हमें दया दिलाता है कि हम सब एक वैश्विक गांव के ही सदस्य हैं और हमें सभी मतभेदों को भुलाकर एक परिवार की तरह रहना चाहिए। इसके तहत सभी को प्रेम, शांति और सौहार्द के साथ रहना सिखाया जाता है। दुनिया में शांति और सद्भाव को बढ़ावा देना और युद्ध-हिंसा से बचना इसका मूल उद्देश्य है।

कब-कैसे हुई शुरुआत: वैश्विक परिवार दिवस मनाने का विचार पिछली सदी में एक किताब से आया था। इसकी शुरुआत 1990 के दशक के अंत में हुई, जब 1997 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2000 को 'शांति की संस्कृति के लिए अंतरराष्ट्रीय दशक और विश्व के बच्चों के लिए अहिंसा' के रूप में घोषित किया। इस अवधारणा को स्टीव डायमंड और एलन सिल्वरस्टीन द्वारा लिखित बच्चों की एक किताब 'वन डे इन पीस, जनवरी 01, 2000' से प्रेरणा मिली। इस कहानी में एक ऐसी दुनिया की कल्पना की गई थी, जहां लोग 1 जनवरी को अपने सभी मतभेदों को एक तरफ रख देते हैं और भाईचारे की भावना का जश्न मनाते हैं। इसमें 'शांति का एक दिन' समारोह की शुरुआत की। 1999 में, संयुक्त राष्ट्र के सदस्यों को शांति लाने के लिए

वर्ष का पहला दिन समर्पित करने का औपचारिक निमंत्रण मिला। 2001 में, संयुक्त राष्ट्र ने आधिकारिक तौर पर इस दिन को मान्यता दी, और तब से हर साल 1 जनवरी को यह दिवस मनाया जाता है। **मनाती है पूरी दुनिया:** वैश्विक परिवार दिवस का उत्सव भौगोलिक सीमाओं से बंधा नहीं है, बल्कि यह एक वैचारिक उत्सव है। इसे किसी एक देश का पर्व मानने के बजाय, मानवता के प्रति एक वैश्विक दृष्टिकोण के रूप में मनाया जाता है। वैश्विक परिवार दिवस सरल, सार्थक कार्यों के बारे में ध्यान आकर्षित करता है, जो घर परिवार से लेकर वैश्विक एकता की भावना को दर्शाता है। **परिवार के संग मनाएं यह दिन:** यह दिन संघर्षों को भूलकर, एक-दूसरे के प्रति आभार व्यक्त करने और प्रेम फैलाने पर जोर देता है। इस पुरे दिन आप अपने परिवार के साथ समय बिता सकते हैं। इसके लिए परिवार के सदस्य एक साथ भोजन कर सकते हैं, कोई सामूहिक खेल, खेल सकते हैं या एक-दूसरे से बात करते हुए अच्छा समय गुजार सकते हैं। आप चाहें तो इस दिन को सामुदायिक सेवा के लिए स्वयंसेवा करके या वैश्विक स्तर पर शांति के लिए काम करने वाली संस्थाओं के लिए श्रमदान करके भी मना सकते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपने ग्लोबल मित्रों की विभिन्न संस्कृतियों, उनकी परंपराओं, व्यंजनों



या कहानियों को साझा करके वैश्विक विविधता की भावना को मजबूत किया जा सकता है। **अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस से अलग:** हालांकि इस दिन को मनाने की शुरुआत मुख्य रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका में हुई, लेकिन इसे अब दुनिया भर के लगभग हर देश के परिवारों द्वारा मनाया जाता है, जिसमें हर देश और संस्कृति के लोग शामिल होते हैं। इससे मिलता-जुलता एक और महत्वपूर्ण दिवस अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस (इंटरनेशनल डे ऑफ फैमिलीज) भी है, जो हर साल 15 मई को मनाया जाता है, इसे भी संयुक्त राष्ट्र ने ही घोषित किया था और यह भी परिवार के महत्त्व पर केंद्रित है। *

कविता
राजेंद्र श्रीवास्तव

एक वर्ष फिर बीत गया

बीते वर्षों जैसा ही कुछ, एक वर्ष फिर बीत गया।
कभी हृदय खिल उठा पुष्प-सा,
और कभी गुपचुप रोया।
कभी सफलता स्वयं आ गई,
कभी स्वर्ण-व्रतसर खोया।
आता-जाता रात वक्त भी
अपने ही रथ पर चढ़कर,
कालचक्र की अथल-पुथल में यह जैतवध रीत गया।
लर्ब, शोक, संघर्ष, समन्वय,
सुख-दुःख, धूप-छांव जैसे।
कुछ दिन बीते खुशहाली में,
बीते कुछ जैसे-तैसे।
दांव-पेय षडयंत्रों का भी
खेल सीखने विदेश हुआ,
जीता कभी किसी से मैं या, कोई मुझसे जीत गया।
जब-जब स्वर गौतम-गजलों के
गेरे होंटों पर आए।
तब तब कहीं अधूरी याई
वाधयंत्र बिगाड़े जाए।
सारा नहीं आत्मबल लेकिन
कोई जतन सफल होगा,
बिगाड़े साजों से रथ दूंगा, मैं कोई संगीत नया।

खंयग / अंशुगाली रस्तोनी

टंड में चोरी करना आसान काम नहीं। जब लोग अपनी-अपनी रजाइयों में छिपे-दुबके बैठे होते हैं, तब चोर उनके घरों में चोरी करने उतरते हैं। एक तरफ टंड का सितम, दूसरी तरफ पकड़े जाने का डर। फिर भी, वे अपने कर्म पथ पर डटे रहते हैं।

टंड और चोर



इ न दिनों टंड आतंक मचाए हुए है। रजाई से बाहर निकलने का मन नहीं करता। न नहाने का दिल करता है। जी करता है, पूरे टाइम रजाई में सिकुड़े पड़े रहे। लेकिन मैं दाद देता हूँ उन चोरों को, जो भीषण टंड में भी चोरी कर रहे हैं। टंड में चोरी करना आसान काम नहीं। जब लोग अपनी-अपनी रजाइयों में छिपे-दुबके बैठे होते हैं, तब चोर उनके घरों में चोरी करने उतरते हैं। एक तरफ टंड का सितम, दूसरी तरफ पकड़े जाने का डर। फिर भी, वे अपने कर्म पथ पर डटे रहते हैं। पापी पेट क्या-क्या नहीं करवा लेता। आज के जमाने में चोरी करना पाप कैसे कहा जा सकता है! बदलते समय के साथ चोरी के तरीके भी काफी बदल गए हैं। कुछ चोरियां अब ऐसी भी हैं, जिनके लिए घर से बाहर निकलना ही नहीं पड़ता। वे घर बैठे-बैठे ही हो जाती हैं। ऑनलाइन टगी (चोरी) में कहीं जाने की जरूरत नहीं। कहीं से भी बैठकर किसी के भी बैंक खाते से रुपए उड़ाए जा सकते हैं। ये चोर बेहद शांतिर होते हैं। बातें बनाकर फंसाने में माहिर होते हैं। इधर सावधानी घटी, उधर काम तमाम हुआ। लेकिन ऑनलाइन चोर पारंपरिक चोरों की तरह मेहनती नहीं होते। माना

कि ऑनलाइन चोरी में मुनाफा अधिक है किंतु जमीनी अनुभव न के बराबर है। ऐसी चोरी भला किस काम की, जिसमें हाथ-पैर न हिलाने पड़ें।

अब तो पारंपरिक चोरों ने भी ऑनलाइन चोरी का रास्ता पकड़ लिया है। वे भी अधिक मेहनत करने से कतराने लगे हैं। चोरी की लाइन में नई पीढ़ी जो आ रही है, उसका झुकाव ऑनलाइन टगी की तरफ ज्यादा है। चोरी के नए-नए तरीके उसने ईजाद कर लिए हैं। फोन पर लोगों को उल्टू बनाकर खाते से पलभर में रुपया सफा-चट कर रहे हैं।

लेकिन मुझे तो जमीन से जुड़े पारंपरिक चोर ही अधिक पसंद हैं। वे चोरी करते हैं तो लगता है कि वास्तविक चोरी हुई है। चोरी की रपट लिखी जाती है। पुलिस मौका-ए-वारदात पर पहुंचती है। चोरी गई चीजों का हिसाब-किताब लगाया जाता है। ध्यान रहे, चोरी में गहने जरूर चुरते हैं। नकदी पर भी हाथ साफ किया जाता है। घर वाली, आस-पड़ोस, नौकर-चाकर से पूछताछ होती है। खबर अखबारों में छपती है। चार जन चाय और पान के खोके पर चर्चा करते हैं। मोहल्ले में दहशत का सा माहौल बनता है। चोरी होने वाले घर का दूर-दूर तक नाम होता है। कुछ भी चाहिए, सीन पारंपरिक चोरी में ही बनता है।

विकट टंड में चोरी कंपकंपी लुड़ा देती है। मगर पापी पेट की खातिर उन्हें यह करना पड़ता है। आखिर उनका भी परिवार है। उन्हें भी अपने शौक पूरे करने हैं। बीवी को पसंद और बच्चों की पढ़ाई-लिखाई का भी ध्यान रखना है। चोरों का भी दिल होता है। मैंने कहानियों में कई ऐसे चोरों के बारे में सुने रखे हैं, जो चोरी की कमाई गरीबों में बांट दिया करते थे। कभी निम्न वर्ग को परेशान नहीं करते थे। उनके टारगेट पर हमेशा धनासेठ ही रहा करते थे। कितने दयावान चोर थे वे। मेरा मानना है कि चोरी करना, कविता या व्यंग्य लिखने से कहीं कठिन काम है। जितनी अक्ल चोरी करने में लगानी पड़ती है न, उतनी गणित के सवाल हल करने में नहीं। लेकिन लोग हैं कि चोरों को हमेशा बद-दुआएं देते हैं। कभी उनकी आदर-सम्मान नहीं करते। चोर हैं तो क्या, ईंसान तो वे भी हैं। इतना तय है कि धरती से जैसे भ्रष्टाचार कभी नहीं मिट सकता, वैसे ही चोरी भी कभी खत्म नहीं हो सकती। चोरों में भी नई-नई नस्लें आती रहेंगी। नए-नए तरीके चोरी के ईजाद किए जाते रहेंगे परंतु चोरियां खत्म कभी न होंगी। टंड के मौसम में चोरी करना निश्चित ही कर्म का है। मेरे विचार में ऐसे वीर चोरों को कोई न कोई पुरस्कार भी जरूर मिलना चाहिए! नहीं क्या...! *

विज्ञापन...

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आइये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ-

दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारणर है।
किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।
एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।
कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।
इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।
इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।
क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक विशेष मशीन की निगरानी में किया जाता है।

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन

MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन- सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली

देहली हॉस्पिटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समय : दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क - 7354858466 | www.nonsurgicalspinecentre.in



सेलिब्रेशन / लोकमित्र गौतम

साल 2025 विदा होने वाला है। इसके साथ ही नया साल 2026 आने के लिए तैयार है। बीते साल की विदाई और नए साल के स्वागत में पूरी दुनिया में दिसंबर माह के आखिरी सप्ताह में जश्न का माहौल रहता है। अपने देश में भी क्रिसमस के बाद सड़कों पर शाम होते ही रोशनी जगमगाने लगती है। बाजारों में चहल-पहल बढ़ जाती है और हर जगह अलविदा-ए-जश्न के रंग-बिरंगे पोस्टर चस्पा हो जाते हैं। वास्तव में अब नए वर्ष का स्वागत, धर्म-समुदाय से ऊपर उठकर साझे जश्न का पर्व बनकर उभरा है। यही कारण है कि उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक दुनिया के हर कोने में 31 दिसंबर की रात जश्न की रात होती है। हर साल की तरह इस साल भी नए साल के स्वागत में जश्न मनाने के लिए तैयार देश के कई शहर खासतौर पर तैयार हो रहे हैं।

दिल्ली हेरिटेज स्टाइल का सेलिब्रेशन: दिल्ली की सदी और न्यू ईयर के जश्न का जादू एक ऐसा सदाबहार कॉम्बिनेशन है, जिसका कहीं से कोई मुकाबला नहीं। इंडिया गेट के आस-पास होने वाले लाइट शो, राजघराने के कैफे में थीम नाइट्स और फाइव स्टार होटलों में क्लासिक प्रयोजन, न्यू ईयर इव डिनर, सब सेलिब्रेशन मोड पर पहुंच चुके हैं। दिल्ली की खासियत है, यहां लोगों की गैदरिंग और



पसंद के हिसाब से हर तरह की पार्टियों का आयोजन किया जाता है। चाहे रॉयल हो या आधुनिक, शांत या उत्साह के शोर से भरपूर। यहां न्यू ईयर इव के जश्न का हर रंग मौजूद होता है। जिसमें यहां आकर ही फील किया जा सकता है।

गोवा सजने-संवरने लगे हैं सी-बीच: गोवा के समुद्रतट पर नए साल के जश्न की तैयारियां जोर-शोर से शुरू हो गई हैं। इसमें कोई दो राय नहीं है कि गोवा की सागरतटीय रेत, इस बार भी विदाई पार्टियों की राजधानी बनेगी। अलग-अलग स्पेशल शोज के साथ निजी बीच क्लबों की झूमती डीजे नाइट्स की टिकट रिपोर्टें बुकिंग के साथ बीते सालों की तरह अपने मेहमानों का इंतजार कर रही हैं। लहरों पर लरजती रोशनी, रात भर मस्ती के आलाप में मगन रहने वाली धुनें और समुद्र के किनारे का

बीत रहे साल की विदाई और नए साल के स्वागत का जश्न पूरी दुनिया में उत्साह-उमंग से मनाया जाता है। अपने देश में भी न्यू ईयर इव को पूरे जोश-ओ-खरोश के साथ सेलिब्रेट किया जाता है। देश के अलग-अलग स्थानों, खासकर टूरिस्ट प्लेसेस पर कैसी हो रही न्यू ईयर इव के जश्न की तैयारी, आप जरूर जानना चाहेंगे।

न्यू ईयर इव का जश्न हो रही तैयारी जोरदार

काउंटडाउन, यही है गोवा के न्यू ईयर इव के जश्न का जलवा। गोवा प्रायः हर साल ही देश में खासतौर पर जश्न-ए-विदाई का मेन सेंटर बन जाता है।

मुंबई सपनों के शहर में शानदार स्वागत: गेट वे ऑफ इंडिया की भव्य लाइटिंग, मरीन ड्राइव के किनारे लोगों का हजूम और क्लबों में थिरकती थीम पार्टियां। मुंबई 2025 की विदाई के लिए क्रिस्टल काउंटडाउन थीम डिजाइन की गई है। न्यूऑन सेटअप, हाई वोल्टेज म्यूजिक और मध्य रात की आतिशबाजियां मिलकर, इस शहर की तेज रफ्तार



जिंदगी को कुछ और ही रहस्यमयी रौनक से लबरेज करती है। यहां सिर्फ पार्टियां ही नहीं होतीं, एक ग्लोबल टेवर के साथ नए साल का सेलिब्रेशन भी संपन्न होता है।

पुडुचेरी सौम्य-संस्कारों भरी विदाई: जो लोग शांति और सौम्यता में खुशी का एहसास करना चाहते हैं, उनके लिए उपयुक्त जगह है पुडुचेरी। पुडुचेरी भी साल 2025 की विदाई पार्टियों की तैयारी जोर-शोर से पूरी करने में लगा है। फ्रेंच क्वार्टर्स में जैज नाइट्स, आश्रमों में मेडिटेशन संध्या और रॉक बीच पर कैडल-लिट-वॉक, ये सब यहां की न्यू ईयर हलचल को एक अलग ही रंग देते हैं। यहां का जश्न उन लोगों की पहली पसंद होता है, जो साल का स्वागत शोर से नहीं, अपने भीतर की गुंजती शांति और दमकती आभा के साथ करना चाहते हैं।



में बैंगलुरु युवाओं का शहर कहा जाने लगा है और यह हर बार पुराने नियम तोड़कर नए नियम गढ़ता है। इस बार भी इसकी नए साल के जश्न की तैयारी भरपूर हो चुकी है। देश के सिविलिकॉन वेली कहे जाने वाले इस शहर में ओपन एयर वेन्यू और रूफ टॉप पर इंटी बैड्स पार्टियों की भरपूर तैयारी है। लाइव डीजे सेट, क्रॉफ्ट बुअरी नाइट की तैयारियां अपने चरम पर हैं। टेक सिटी का यह अंदाज यहां आने वाले मेहमानों को याद दिलाता है कि नया साल सिर्फ पार्टी नहीं, एक नया और युवा जोश का जश्न है। *



शिमला-मनाली बर्फ की चादर में खुशियों के रंग: उत्तर भारत के पर्वतीय शहरों में शिमला जैसा नए साल के उत्सव का जलवा किसी दूसरे शहर को नसीब नहीं है। इस बार यहां स्नो फेयरेवेल नाइट्स की जोरदार तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। शिमला का ही एक्सटेंशन मनाली को माना जाता है। इसलिए इसे शिमला-मनाली जश्न की संज्ञा दी जाती है। यहां 31 दिसंबर की रात अकसर बर्फबारी होती है और यही इस जश्न का क्लाइमेक्स होता है। बर्फबारी के बीच अलाव, मध्यम संगीत और लमजरी कैप, मनाली-शिमला जश्न के रंग बिलकुल अलग हैं। यहां न्यू ईयर की पार्टियों का जश्न दिलों में गमाईश भरता है, जिसे शब्द बयां नहीं कर सकते।



बैंगलुरु तारों की छांव में संगीतमय विदाई: हाल के वर्षों में बैंगलुरु युवाओं का शहर कहा जाने लगा है और यह हर बार पुराने नियम तोड़कर नए नियम गढ़ता है। इस बार भी इसकी नए साल के जश्न की तैयारी भरपूर हो चुकी है। देश के सिविलिकॉन वेली कहे जाने वाले इस शहर में ओपन एयर वेन्यू और रूफ टॉप पर इंटी बैड्स पार्टियों की भरपूर तैयारी है। लाइव डीजे सेट, क्रॉफ्ट बुअरी नाइट की तैयारियां अपने चरम पर हैं। टेक सिटी का यह अंदाज यहां आने वाले मेहमानों को याद दिलाता है कि नया साल सिर्फ पार्टी नहीं, एक नया और युवा जोश का जश्न है। *

तब न्यू ईयर बन जाएगा हेल्दी-हैप्पी-सक्सेसफुल



नया साल शुरू होने में कुछ ही दिन बचे हैं। आप जरूर सोच रहे होंगे कि आने वाले साल में ऐसा क्या करें, जिससे पूरा साल आपके लिए हेल्दी, हैप्पी और सक्सेसफुल साबित हो। हम दे रहे हैं, इससे रिलेटेड सजेरांस।

सजेशन / अंजु जैन

जाता हुआ साल हमारे मन में कुछ शिकायतों और अधूरी उम्मीदें छोड़ जाता है। बीता हुआ वक्त तो वापस आ नहीं सकता, इसलिए उसके बारे में सोचकर परेशान होने की बजाय हम बीते साल की कमियों और गलतियों की समीक्षा करें और आने वाले साल उन्हें सुधार लें तो हम नव वर्ष को हैप्पी बना सकते हैं।

रिलेशनशिप में बनी रहे गर्माहट

हमारे रिश्ते-द्वंद रहने वाले मित्र, परिवार के सदस्य, रिश्तेदार, सहकर्मी, सहपाठी, बिजनेस पार्टनर और पड़ोसी आदि हमारे जीवन को काफी हद तक प्रभावित करते हैं। इन सारे रिश्तों पर

सरसरी तौर पर नजर डालें और समीक्षा करें। विचार करें कि आपने इनके लिए पूरे साल क्या किया और बदले में उन्होंने आपके साथ क्या व्यवहार किया? एक्शन: नए साल में इन सारे रिश्तों को आप प्राथमिकता के आधार पर कैटेगरीज करें। जिनसे आपको नेगेटिव रिएक्शन मिला, उन्हें सबसे निचले पायदान पर रखें। सहयोगी, स्नेहिल और केयरिंग लोगों को सर्वोच्च प्राथमिकता की श्रेणी में रखें। तय कर लें कि इस साल आपको सिर्फ पॉजिटिव एटीट्यूड और सपोर्टिंग नेचर वाले रिलेशंस को मॉटेन करने में ही अपनी एनर्जी का उपयोग करना है। इससे आप साल भर इमोशनली खुश रहेंगे, आपका सपोर्ट सिस्टम स्ट्रॉन्ग होगा और रिश्ते भी इंप्रूव होंगे।

फिजिकल-मेंटल हेल्थ का रखें ध्यान

अपनी हेल्थ को लेकर खुद से कुछ बुनियादी सवाल पूछें। आपने अंतिम बार कब अपना बीपी चेक करवाया था? आपके हार्ट की हेल्थ का क्या हाल है? क्या आप मॉर्निंग वॉक, वर्कआउट या किसी फिजिकल एक्टिविटी में इवॉल्व हैं? क्या आपको रात को ठीक से नींद नहीं आती है? इन सवालों के जवाब इमानदारी से दें और अगर जवाब निराशाजनक हैं, तो अब आपको एलर्ट हो जाना चाहिए। एक्शन: इस बात का इंतजार न करें कि आपको बड़ी बीमारी घेर ले। ज्यादा देर न करके साल की शुरूआत में ही अपने जनरल फिजिशियन से मिलें और अपना हेल्थ चेक करवाएं। पक्का निश्चय कर लें कि आप रोज 30 मिनट किसी न किसी प्रकार की फिजिकल एक्टिविटी में जरूर इवॉल्व होंगे।

स्मार्टफोन का सीमित और जरूरी प्रयोग करेंगे और नरेश से दूर रहेंगे। मेडिटेशन से मानसिक स्वास्थ्य भी दुरुस्त रखेंगे।

फाइनेंस इश्यूज को ना करें इग्नोर

हर नए साल में आपको चाहिए कि आप अपनी वित्तीय स्थिति पर गंभीरतापूर्वक विचार करें। वित्तीय रूप से सुस्थित भविष्य के लिए फाइनेंस इश्यूज को इग्नोर ना करें। एक्शन: फाइनेंस से जुड़े अपने कमजोर पहलुओं को समझें। इस साल के लिए कुछ वित्तीय लक्ष्य निर्धारित करें और उन्हें हासिल करने की प्लानिंग भी बनाएं। घर में सबके लिए हेल्थ इश्योरेंस और अपने लिए रिटायरमेंट प्लान सुनिश्चित करें।

करियर को दें नई दिशा

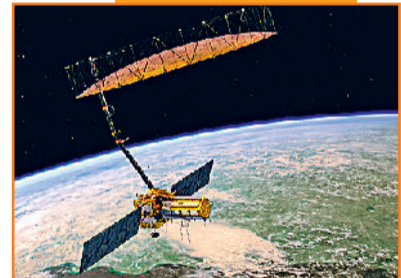
अगर बीते साल आपका करियर आपकी उम्मीदों के मुताबिक परिणाम देने वाला नहीं रहा। आपकी नई जॉब पाने की कोशिश असफल हो गई। ऐसे में वक्त है एलर्ट होने का। एक्शन: नए साल में आपका करियर और आत्मविश्वास डांबाडोल न रहें, इसके लिए सबसे पहले खुद को अपडेट करें। अपने प्रोफेशन से जुड़ी नवीनतम जानकारियां हासिल करें। कोई नई स्किल सीखें। अपनी पर्सनालिटी में निखार लाएं। कम्यूनिकेशन स्किल इंप्रूव करें। अपना रेज्यूमे अच्छी तरह से दोबारा तैयार करें। लगातार जॉब हंटिंग करते रहें। अपने बॉस और क्लाइंट के साथ रिश्तों को सुधारें।

अगर आपने पूरा वक्त सिर्फ दूसरों को खुश करने में बिता दिया तो समझ लीजिए कि आपने जिंदगी को बिताया है, जिया नहीं है। जिंदगी आपकी है, इसलिए आपको खुद को खुश करने का पूरा हक है। एक्शन: हर रोज कम से कम दो घंटे अपनी खुशी के लिए कुछ करें। चाहे वह आपकी हॉबीज को अटेंड करने की बात हो या फिर अपने अरमान पूरे करने की। हर किसी को खुश करने की आदत छोड़ें और सिर्फ उनकी परवाह करें जिनके नाराज होने से आपको वाकई फर्क पड़ता हो।

बस, इन बातों का ध्यान रखकर, इन्हें अमल में लाकर आप अपने नए साल को खुशहाल बना सकते हैं। *

किसी देश की तरक्की मापने का एक पैमाना यह भी होता है कि उस देश ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कितनी तरक्की की है? भारत के लिए विज्ञान-प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में स्टाइमि उपलब्धियों से भरा रहा साल 2025। इस वर्ष देश की उपलब्धियों पर एक नजर।

साइंस और टेक्नोलॉजी-2025 साल की शानदार अचीवमेंट्स



साइंस-टेक

संजय श्रीवास्तव

इस साल हमने दुनिया को यह दिखा दिया कि विज्ञान, तकनीक और उससे जुड़े क्षेत्रों में प्रगति के मामले में हम किसी के कम नहीं। इस साल देश ने विज्ञान, तकनीक, पर्यावरण तथा कृषि जैसे क्षेत्रों में जो उपलब्धियां हासिल कीं वे अभूतपूर्व हैं। भारत विज्ञान, प्रौद्योगिकी तथा संबंधित क्षेत्रों में जिस तरह प्रगति कर रहा है, जल्द ही वह संसार के चुनिंदा विकसित देशों की बराबरी करने लगेगा। बेशक इसमें सरकार की नीतियों, हमारे वैज्ञानिकों और संस्थाओं का सम्मिलित प्रयास शामिल है लेकिन हमें अपने शिक्षा संस्थानों का योगदान भी नहीं भूलना चाहिए।

शुभांशु शुक्ला ने किया गौरवान्वित: शुभांशु शुक्ला इस वर्ष देश ही नहीं, दुनिया भर में चर्चा के केंद्र में रहे। एक्सओम-4 मिशन का हिस्सा बने भारतीय अंतरिक्ष यान शुभांशु शुक्ला अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा करने वाले पहले भारतीय बने। युवा प्रतिभाओं की भूमिका पर जोर: इस बार राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का विषय था, 'विकसित भारत के लिए विज्ञान और नवाचार में वैश्विक नेतृत्व हेतु भारतीय युवाओं को सशक्त बनाना'। यह देखना सुखद था कि सरकार ने इस नारे के उद्देश्य को जमीन पर उतारा तथा युवा प्रतिभाओं की भूमिका पर जोर दिया। इसके चलते नवाचारों में उल्लेखनीय बढ़त दिखाई। सरकार का सबसे ज्यादा जोर सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण, एआई तथा अन्य महत्वपूर्ण उभरती प्रौद्योगिकियों पर रहा। सरकार ने वैश्विक आपूर्ति



भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अपनी उपलब्धियों से देश को गौरवान्वित होने के कई अवसर दिए। इसरो ने इस वर्ष की शुरुआत में 16 जनवरी को, अपना पहला ऑन-ऑर्बिट डॉकिंग प्रयोग स्पेडैक्स सफलतापूर्वक पूरा किया, जिसके तहत लगभग 28,400 किमी प्रतिघंटा की गति से यात्रा करने वाले दो उपग्रहों को साथ

लाकर डॉक किया। ऐसा करने वाला भारत दुनिया का चौथा देश बन गया। 30 जुलाई को जीएसएलवी एफ 16 रॉकेट के माध्यम से नासा इसरो सिंथेटिक अपचर रडार, निसार उपग्रह का सफल प्रक्षेपण किया जो पृथ्वी अवलोकन उपग्रह आपदा प्रबंधन, पारिस्थितिकी तंत्र निगरानी और जलवायु परिवर्तन के अध्ययन में मदद करेगा। अभी कुछ ही दिन पहले अमेरिका के करीब छह टन वजनी संचार उपग्रह को सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया। कुल मिलाकर भारत को वैश्विक अंतरिक्ष शक्ति के रूप में और मजबूत करने वाले इसरो ने 2025 में 200 से अधिक महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कीं।

डीआरडीओ ने बढ़ाई रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता: रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और टाटा जैसे स्वदेशी तकनीकी स्टार्टअप ने मिलकर रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की। इन उपलब्धियों ने थलसेना, वायुसेना और नौसेना की परिचालन क्षमताओं को काफी बढ़ाया। 2 दिसंबर 2025 को डीआरडीओ ने सशस्त्र बलों को घरेलू स्तर पर विकसित सात प्रौद्योगिकियां सौंपीं। टाटा-डीआरडीओ ने जल, थल दोनों पर चलने वाला बख्तरबंद वाहन विकसित किया है, इसके द्वारा विकसित इंटरनेट ऑफ थिंग्स आधारित हथियार प्रशिक्षण प्रणाली और युद्ध सिमुलेशन ने प्रशिक्षण को और अधिक प्रभावी बना दिया।

डीआरडीओ ने वायु सेना के लिए एयरबोर्न सेल्फ-प्रोटेक्शन जैमर हेतु स्वदेशी हाई-वोल्टेज बिजली आपूर्ति प्रणाली विकसित किया। भारतीय नौसेना को डीआरडीओ ने ऐसी समुद्री जल बेटी प्रणाली सौंपी है कि वह पानी के भीतर लंबी अवधि तक रह सकती है।

तकनीकी क्षेत्र में अन्य उपलब्धियां: आईआईटी मुंबई के शोधकर्ताओं ने इस वर्ष देश का पहला स्वदेशी 'क्वांटम डायमंड माइक्रोस्कोप' विकसित किया, जो सूक्ष्म चुंबकीय क्षेत्रों का सटीक पता लगाने में सक्षम है। यह रक्षा प्रणालियों जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में वैश्विक खिल्लाडी के रूप में स्थापित हो सकेगा। इसरो की उल्लेखनीय उपलब्धियां: हर साल की तरह अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अपनी उपलब्धियों से देश को गौरवान्वित होने के कई अवसर दिए। इसरो ने इस वर्ष की शुरुआत में 16 जनवरी को, अपना पहला ऑन-ऑर्बिट डॉकिंग प्रयोग स्पेडैक्स सफलतापूर्वक पूरा किया, जिसके तहत लगभग 28,400 किमी प्रतिघंटा की गति से यात्रा करने वाले दो उपग्रहों को साथ

लाकर डॉक किया। ऐसा करने वाला भारत दुनिया का चौथा देश बन गया। 30 जुलाई को जीएसएलवी एफ 16 रॉकेट के माध्यम से नासा इसरो सिंथेटिक अपचर रडार, निसार उपग्रह का सफल प्रक्षेपण किया जो पृथ्वी अवलोकन उपग्रह आपदा प्रबंधन, पारिस्थितिकी तंत्र निगरानी और जलवायु परिवर्तन के अध्ययन में मदद करेगा। अभी कुछ ही दिन पहले अमेरिका के करीब छह टन वजनी संचार उपग्रह को सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया। कुल मिलाकर भारत को वैश्विक अंतरिक्ष शक्ति के रूप में और मजबूत करने वाले इसरो ने 2025 में 200 से अधिक महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कीं।

बॉलीवुड-2025 कैलाश सिंह

बीते रहे साल में जहां कुछ फिल्मों ने उम्मीद से अधिक सक्सेस हासिल की, वहीं कुछ बिग बजट-बैनर की फिल्मों में कोई कमाल नहीं दिखा सकी। फिल्मों के प्रति दर्शकों के टेस्ट में आए बदलाव की वजह से और इस साल रिलीज फिल्मों-ओटीटी शो पर एक नजर।

बीते कई सालों की तरह 2025 भी एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के लिए मिला-जुला रहा। कई बड़े बजट की फिल्मों फ्लॉप रहें तो कुछ छोटे बजट की फिल्मों भी सक्सेसफुल रहें। इस साल थिएटर में फिल्म देखने के संदर्भ में दर्शकों की घटती रुचि के बारे में कई प्रकार की चर्चाएं भी हुईं। सिनेमाघर मालिक सारे साल यह बहस करते रहे कि दर्शकों का थिएटर से दूर होने के पीछे का असल मुद्दा, फिल्मों का निरंतरता के साथ रिलीज न होना है। हाल के वर्षों में सात फिल्मों ने 500 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई की, जिससे सिद्ध होता है कि अच्छी फिल्मों की मांग अब भी बहुत है। लेकिन जब एक के बाद दूसरी रिलीज में बहुत फायला बढ़ जाता है, तो दर्शकों की सिनेमाघर में आने की दिलचस्पी कम हो जाती है। विशेषज्ञों का कहना है 'धुरंधर' रही साल की सर्वाधिक सफल फिल्म

कि अगर फिल्म निरंतरता के साथ रिलीज हों तो कंडीशन सुधर सकती है। कई वितरकों का तर्क है कि अधिक टेक्स के कारण टिकट्स के दाम बढ़ गए हैं, जिससे दर्शक सिनेमाघरों की तरफ कदम नहीं बढ़ा रहे हैं। बदल रही दर्शकों की पसंद: चेन्नई के एक कार्यक्रम में अभिनेता कमल हासन ने कहा, 'आज क्षेत्रीय, नया राष्ट्रीय बन गया है और देशज, नया अंतरराष्ट्रीय। जो कहानियां मधुर, मालापुरम, मांड्या या मछलीपट्टनम में जन्म ले रही हैं, वह अब क्षेत्रीय सिनेमा नहीं हैं, वे राष्ट्रीय सांस्कृतिक घटनाएं हैं। एक फिल्म जिसकी जड़ें तटीय कर्नाटक में हैं जैसे 'कांतारा', पूरे देश में पसंद की जाती है।' भारतीय मनोरंजन के बदलते लैंडस्केप और ओटीटी की बढ़ती प्रासंगिकता के बारे में हासन का कहना है, 'भारत का मीडिया और मनोरंजन बदल रहा है। आज की कहानियां वास्तव में दर्शक के साथ यात्रा करती हैं।' नहीं चला कोई स्पेशल जॉनर: इस साल दर्शकों द्वारा पसंद की गई फिल्मों की बात करें तो

हॉरर जॉनर ने प्रभाव अवश्य छोड़ा, लेकिन किसी विशेष जॉनर ने सिनेमा में राज नहीं किया। गौरतलब है कि वर्ष 2025 में हॉलीवुड की अलग-अलग जॉनर की फिल्मों देश के विभिन्न हिस्सों में रिलीज की गईं, लेकिन अतीत की तरह किसी खास जॉनर- हॉरर, ड्रामा या सुपरहीरो ने सफलता की गारंटी नहीं दी। आज दर्शक बहुत अधिक चूजें हो गए हैं और सिनेमाघर में तभी जाते हैं, जब फिल्म उनकी उम्मीदों के अनुरूप हो। इस नजरिए से 'इंटरस्टेलर' के री-रिलीज को देख सकते हैं, जो भारत में 2025 में सबसे अधिक कमाई करने वाली हॉलीवुड फिल्म बनी और नई रिलीज से भी आगे निकल गई। 'इंटरस्टेलर' के अतिरिक्त जिन ग्लोबल कि अगर फिल्म निरंतरता के साथ रिलीज हों तो कंडीशन सुधर सकती है। कई वितरकों का तर्क है कि अधिक टेक्स के कारण टिकट्स के दाम बढ़ गए हैं, जिससे दर्शक सिनेमाघरों की तरफ कदम नहीं बढ़ा रहे हैं।

इस साल थिएटर-ओटीटी पर किन फिल्मों ने मचाया धमाल



'सैयारा' दर्शकों ने खूब किया पसंद

हॉरर जॉनर ने प्रभाव अवश्य छोड़ा, लेकिन किसी विशेष जॉनर ने सिनेमा में राज नहीं किया। गौरतलब है कि वर्ष 2025 में हॉलीवुड की अलग-अलग जॉनर की फिल्मों देश के विभिन्न हिस्सों में रिलीज की गईं, लेकिन अतीत की तरह किसी खास जॉनर- हॉरर, ड्रामा या सुपरहीरो ने सफलता की गारंटी नहीं दी। आज दर्शक बहुत अधिक चूजें हो गए हैं और सिनेमाघर में तभी जाते हैं, जब फिल्म उनकी उम्मीदों के अनुरूप हो। इस नजरिए से 'इंटरस्टेलर' के री-रिलीज को देख सकते हैं, जो भारत में 2025 में सबसे अधिक कमाई करने वाली हॉलीवुड फिल्म बनी और नई रिलीज से भी आगे निकल गई। 'इंटरस्टेलर' के अतिरिक्त जिन ग्लोबल कि अगर फिल्म निरंतरता के साथ रिलीज हों तो कंडीशन सुधर सकती है। कई वितरकों का तर्क है कि अधिक टेक्स के कारण टिकट्स के दाम बढ़ गए हैं, जिससे दर्शक सिनेमाघरों की तरफ कदम नहीं बढ़ा रहे हैं।

बदल रही दर्शकों की पसंद:

चेन्नई के एक कार्यक्रम में अभिनेता कमल हासन ने कहा, 'आज क्षेत्रीय, नया राष्ट्रीय बन गया है और देशज, नया अंतरराष्ट्रीय। जो कहानियां मधुर, मालापुरम, मांड्या या मछलीपट्टनम में जन्म ले रही हैं, वह अब क्षेत्रीय सिनेमा नहीं हैं, वे राष्ट्रीय सांस्कृतिक घटनाएं हैं। एक फिल्म जिसकी जड़ें तटीय कर्नाटक में हैं जैसे 'कांतारा', पूरे देश में पसंद की जाती है।' भारतीय मनोरंजन के बदलते लैंडस्केप और ओटीटी की बढ़ती प्रासंगिकता के बारे में हासन का कहना है, 'भारत का मीडिया और मनोरंजन बदल रहा है। आज की कहानियां वास्तव में दर्शक के साथ यात्रा करती हैं।' नहीं चला कोई स्पेशल जॉनर: इस साल दर्शकों द्वारा पसंद की गई फिल्मों की बात करें तो

इस साल रिलीज सफल फिल्में:

बात अगर इस साल रिलीज देश में बनी सफल फिल्मों की करें तो 'कांतारा: ए लीजेंड चैप्टर 1' भारतीय दर्शकों की सबसे पसंदीदा फिल्म बनी। इस फिल्म को 6 लाख लोगों ने दोबारा देखा। एडवॉंस बुकिंग की बात करें तो 'कुली' फिल्म की 2.4

'कांतारा' साल की सबसे सफल फिल्मों में से एक

मिलियन सीटें पहले से रिजर्व की गईं। अन्य फिल्में, जिन्हें दर्शकों ने इस साल खूब पसंद किया वो थीं, 'छावा', 'सैयारा', 'महावतार नरसिम्हा', 'लोहा', 'युद्धरुम', 'वॉर-2', 'सितारे जमीन पर' और 'धुरंधर'। **बॉक्स ऑफिस कलेक्शन:** बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के लिहाज से देखें तो दशहरे के सप्ताहंत पर सबसे ज्यादा फिल्में देखी गईं। उस दौरान 6.3 मिलियन टिकट बिके, जो फिल्मों अक्टूबर 2025 में रिलीज हुईं, उन्होंने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 1,669 करोड़ रुपए की कमाई की। जनवरी से अक्टूबर 2025 तक कुल मिलाकर 11,077 करोड़ रुपए की कमाई हुई, जोकि 2024 की इसी अवधि की तुलना में 24 प्रतिशत अधिक रही। अभी तक सबसे अधिक कमाई (735 करोड़ रुपए) 'कांतारा: ए लीजेंड चैप्टर 1' ने की। हालांकि 'धुरंधर', बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के बेस पर 'कांतारा' को भी पीछे छोड़ कर इस साल की सबसे अधिक कमाई वाली फिल्म बन गई है। **री-रिलीज फिल्मों भी की गई पसंद:** इस साल बॉक्स ऑफिस पर पुरानी री-रिलीज फिल्मों का भी बोलबाला रहा। इन फिल्मों ने नॉस्टैल्जिया की वजह से दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित किया। इस सिलसिले में हैदराबाद भारत का री-रिलीज कैपिटल रहा। 'ये जवानी है दीवानी', 'सनम तेरी कसम', 'सालार', 'आदू' और 'रामाबनम' जैसी टॉप श्रेयक फिल्में सबसे सफल रहीं। *

टॉप ट्रेडिंग ओटीटी शो

बीते कुछ वर्षों में एंटरटेनमेंट की एक उमंगान्तर बुनिया विकसित हुई है। इन दिनों थिएटर में रिलीज फिल्मों के साथ-साथ ओटीटी शो को भी दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है। 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड', 'ब्लैक वॉटर', 'पाताल लोक (सीजन 2)', 'पंचायत (सीजन 4)', 'मंडला मर्डर्स', 'खोफ', 'स्पेशल ऑप्स (सीजन 2)', 'आका: द बंगल चैप्टर', 'द फैमिली मैन (सीजन 3)' और 'किंगडम जस्टिस: ए फैमिली मैट' जैसे ओटीटी शो को दर्शकों ने खूब पसंद किया। दर्शकों को भाया 'द फैमिली मैन' (सीजन 3)